जबलपुर, कटनी, भोपाल, मंडला,इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष- 20 अंक-280 ● जबलपुर ● शुक्रवार , 13 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 3 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।

पैर के दर्द से परेशान पुलिस कांस्टेबल ने की आत्महत्या

मुंबई, एजेंसी। मुंबई पुलिस में तैनात कांस्टेबल विजय बागुल ने कुर्ला के नेहरूनगर स्थित पुलिस कॉलोनी में अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि पैर में लगी अंदरूनी चोट और लगातार दर्द के कारण वह लंबे समय से परेशान थे। उपचार के बावजूद राहत नहीं मिलने से वह मानसिक तनाव में रहने लगे थे। जानकारी के अनुसार, विजय बागुल के पैर में कुछ समय पहले अंदरूनी चोट लगी थी। इसके बाद से उन्हें लगातार दर्द और परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। उन्होंने इलाज भी कराया, लेकिन तकलीफ कम नहीं हुई। इसी कारण वह मानसिक रूप से परेशान थे। बताया जाता है कि उन्होंने अपने आवास पर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की जानकारी मिलने पर उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

23 वाहनों में लगी आग, 3 भारतीय समेत 14 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के फुजैराह के पास भीषण सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए। मृतकों में भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। हादसा उस समय हुआ, जब एक बेकाबू ट्रक ने कई वाहनों को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद कई गाड़ियों में आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने आसपास मौजूद वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया।



यूएई के आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक, हादसा गुरुवार आधी रात से कुछ देर पहले पूर्वी अमीरात की ओर जाने वाली सड़क पर हुआ। उस समय यातायात धीमा था और कई वाहन आगे बढ़ने के लिए इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रक ने आगे चल रहे वाहन को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। इसके बाद पलटा हुआ ट्रक सड़क पर धीमी गति से चल रहे और रुके हुए कई वाहनों से जा भिड़ा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों में आग लग गई। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग गाड़ियों के भीतर फंस गए। हादसे में पांच ट्रकों सहित कुल 23 वाहन शामिल थे। आग लगते ही घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस, पैरामेडिकल और सिविल डिफेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं। बचाव दल ने आग पर काबू पाने के साथ वाहनों में फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में 14 लोगों की जान गई है। मृतकों में यूएई, ओमान, भारत, ब्राजील, पाकिस्तान, जॉर्डन और मिस्र के नागरिक शामिल हैं। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया में डीएनए जांच की मदद ली जा रही है, ताकि शवों की पहचान सुनिश्चित की जा सके। हादसे में घायल हुए 30 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाकी घायलों का इलाज जारी है। हालांकि, अधिकारियों ने घायलों की स्थिति को लेकर विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हादसे में भारतीय नागरिकों की मौत की पुष्टि की है। दूतावास ने घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि उसने प्रभावित परिवारों से संपर्क किया है। भारतीय नागरिकों के परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया जा रहा है।

मरीन ड्राइव टनल में छह वाहनों की टक्कर, बड़ा हादसा टला

मुंबई के मरीन ड्राइव इलाके में कोस्टल रोड सुरंग के उत्तर दिशा वाले मार्ग पर छह वाहनों के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 2:33 बजे हुआ। दुर्घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है, हालांकि सभी वाहनों को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। पुलिस के मुताबिक, हादसा मरीन ड्राइव यातायात विभाग की सीमा में आने वाली कोस्टल रोड सुरंग में हुआ। सूचना मिलने पर मलबार हिल और गावदेवी पुलिस थानों के अधिकारी और कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। सहायक पुलिस आयुक्त सुवर्णा शिंदे ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। टक्कर के दौरान एक वाहन के बोनट से धुआं निकलने लगा। इससे आग लगने की आशंका पैदा हो गई। पुलिस ने तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और आग फैलने की आशंका को दूर किया। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को टोइंग वैन की मदद से सुरंग से बाहर निकाला गया। एहतियात के तौर पर उत्तर दिशा की ओर जाने वाला यातायात कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया था। वाहनों को हटाने और मार्ग की जांच के बाद यातायात दोबारा शुरू कर दिया गया। फिलहाल कोस्टल रोड पर आवाजाही सामान्य है। इससे पहले मुंबई के मालवणी इलाके में पटाखे की दुकान में आग लगने से 16 वर्षीय किशोर शहनवाज नियाज खान की मौत हो गई थी। आग के दौरान दुकान का स्लैब गिर गया था। दमकल विभाग के अनुसार, दुकान में रखे पटाखों और बिजली के उपकरणों में आग लगने के बाद स्थिति गंभीर हो गई थी।

छठ महापर्व शुरू
घाटों पर तैयारियां पूरी



नई दिल्ली, एजेंसी। लोक आस्था और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व को लेकर बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और महाराष्ट्र समेत देश के कई राज्यों में उत्साह का माहौल है। नदियों और तालाबों के किनारे घाटों की सफाई और सजावट की गई है। बाजारों में भी पूजा सामग्री, फल और प्रसाद की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है।

छठ पर्व के पहले दिन व्रती स्नान के बाद शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके बाद शनिवार को खरना का अनुष्ठान होगा। इस दिन व्रती दिनभर उपवास रखेंगे और शाम को पूजा के बाद गुड़ की खीर सहित अन्य प्रसाद ग्रहण करेंगे। खरना के साथ ही छठ का कठिन निर्जला व्रत शुरू हो जाएगा। पर्व के तीसरे दिन रविवार को व्रती डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य देंगे। इसके लिए नदी, तालाब और अन्य जलाशयों के किनारे श्रद्धालु एकत्रित होंगे। इसके बाद सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा। इसी के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी छठ महापर्व की शुरुआत पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संदेश जारी कर कहा कि लोक आस्था और सूर्य उपासना के इस पावन अनुष्ठान के शुभारंभ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने सभी व्रतियों को नमन करते हुए कामना की कि छठी मैया का आशीर्वाद सभी को प्राप्त हो। छठ पूजा को लेकर बिहार के अलावा दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भी प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। घाटों पर साफ-सफाई, रोशनी और सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। महाराष्ट्र में भी छठ पूजा की तैयारियां चल रही हैं।

ईगल बैटरी
सोलर इनवर्टर बैटरी
लाईफ मैडीसिटी हॉस्पिटल के सामने आगा चौक
मो.न. 9200792000



Intenics
Solar And Hybrid Lighting
Save Electricity Save Wiring 2 year warranty*
Made In India
Inviting Distributers And Dealers
intenicsptltd intenics.in
7880024499, 7880024466

विशुद्ध हेल्थ केयर
माइक्रोबायोलॉजी एवं पैथोलॉजी लैब
• ब्लडप्रेशर • डाइबिटीज • अस्थमा
• हृदय एवं थायराइड रोग हेतु समर्पित सेंटर
डॉ. अंकित सेठ
एम.डी., कंसल्टेंट फिजिशियन, डायबेटोलॉजिस्ट
डॉ. रीति सेठ
कंसल्टेंट माइक्रोबायोलॉजिस्ट
पता- 2365, राईट टाउन, P & T गेट नं. 4 के पास, मदन महल स्टेशन रोड, जबलपुर
Ph.: 0761-4035454, M: 9752000122

माइक्रोसॉफ्ट की सेवाएं ठप दुनियाभर के यूजर्स परेशान

नई दिल्ली, एजेंसी। *माइक्रोसॉफ्ट की कई ऑनलाइन सेवाएं अचानक ठप होने से भारत समेत दुनियाभर के लाखों यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। आउटलुक, माइक्रोसॉफ्ट 365, टीम्स और एआई असिस्टेंट कोपायलट की सेवाएं प्रभावित हुईं। यूजर्स को अकाउंट में लॉग-इन करने, ईमेल भेजने और नए मेल प्राप्त करने में दिक्कत आई। भारत में भी आउटलुक की सेवाएं प्रभावित रहीं।*



शुरुआत में इस तकनीकी खराबी की वजह सर्वर पर बढ़ता ट्रैफिक माना जा रहा था, लेकिन कंपनी की शुरुआती जांच में सामने आया कि उसके इंफ्रास्ट्रक्चर के कई सर्वर अचानक अनुपलब्ध हो गए थे। इससे बाकी सक्रिय सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया और वे यूजर्स की रिक्वेस्ट संभालने में परेशानी महसूस करने लगे। माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, प्रभावित सर्वर ऑटोमैटिक हेल्थ चेक में भी विफल हो रहे थे। ये जांच सर्वरों की कार्यक्षमता और स्थिति सुनिश्चित करने के लिए होती है। कंपनी को संदेह था कि हाल में हेल्थ चेक से जुड़े एक कंपोनेंट में किए गए बदलाव का खराबी से संबंध हो सकता है, हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई थी। सर्वर नेटवर्क में आई इस गड़बड़ी का असर कई सेवाओं पर पड़ा। आउटलुक के अलावा टीम्स और कोपायलट के उपयोगकर्ताओं को भी परेशानी हुई। माइक्रोसॉफ्ट के सर्वर से जुड़ी ओपनएआई और एंथ्रोपिक की कुछ सेवाओं पर भी इसका असर देखने को मिला। समस्या सामने आने के बाद कंपनी ने रिकवरी प्रक्रिया शुरू की।

सबरीमाला घी घोटाले में दो थोक व्यापारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के सबरीमाला मंदिर में घी की आपूर्ति से जुड़े कथित घोटाले में तमिलनाडु के दो थोक व्यापारियों को गिरफ्तार किया गया है। केरल के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसबी) की विशेष टीम ने यह कार्रवाई 2025 के तीर्थयात्रा सीजन में हुई अनियमितताओं की जांच के दौरान की। आरोपियों की पहचान ओड्डनछत्रम निवासी वेंकटेश्वरन और कुमारन के रूप में हुई है। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों व्यापारियों ने मंदिर के लिए निर्धारित घी की खेप खरीदी थी, जिसे ठेकेदार एसएस बिनु ने सबरीमाला पहुंचाने के बजाय तमिलनाडु में बेच दिया था। इस सौदे की कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई गई है। अधिकारियों का आरोप है कि व्यापारियों को पता था कि घी अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन कर बेचा जा रहा है। भुगतान नकद में किया गया था। इस मामले में ठेकेदार बिनु को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

ओवैसी-चंद्रशेखर गठबंधन से यूपी की सियासी हलचल

नई दिल्ली, एजेंसी। *उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने सामाजिक परिवर्तन मोर्चे के गठन का एलान कर प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। दोनों नेताओं ने सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ओवैसी ने चंद्रशेखर आजाद को गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा भी घोषित किया है।*



गठबंधन के एलान के बाद मेरठ के नौचंदी मैदान में दोनों दलों के कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर खुशी जताई। कार्यकर्ताओं का कहना है कि मोर्चा आगामी चुनाव में मजबूती से अपनी राजनीतिक भागीदारी दर्ज कराएगा। कार्यक्रम में आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट चरण सिंह, एआईएमआईएम के महानगर अध्यक्ष इमरान अंसारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। इस गठबंधन का उद्देश्य दलित, पिछड़े, वंचित और अल्पसंख्यक वर्गों को एक मंच पर लाना बताया जा रहा है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि राजनीतिक दल इन वर्गों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करते रहे हैं। वहीं, चंद्रशेखर ने सामाजिक न्याय और राजनीतिक हिस्सेदारी को प्रमुख मुद्दा बताया। मेरठ की सात विधानसभा सीटों पर गठबंधन की रणनीति और उम्मीदवारों के चयन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। इनमें मेरठ शहर, कैंट, दक्षिण, सरधना, सिवालखास, किठौर और हस्तिनापुर शामिल हैं। हालांकि सीटों का बंटवारा अभी स्पष्ट नहीं है। राजनीतिक जानकारों की नजर इस गठबंधन के सपा के पीडीए और बसपा के सामाजिक समीकरणों पर पड़ने वाले प्रभाव पर है। इसका वास्तविक असर स्थानीय संगठन, प्रत्याशियों और मतदाताओं के समर्थन से तय होगा।

सेना का वाहन पलटा, सात जवान घायल; दो की हालत गंभीर



हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के चेवल्ला मंडल में अल्लावाड़ा गेट के पास सेना का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में सात जवान घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को गोलकोंडा स्थित सेना के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, जवान गोलकोंडा आर्मी कैंप से प्रशिक्षण अभ्यास के लिए शाबाद मंडल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान अल्लावाड़ा गेट के पास उनका वाहन अनियंत्रित हो गया। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और गाड़ी सड़क पर कई बार पलट गई। बताया जा रहा है कि पलटने के बाद वाहन आगे जाकर एक पेड़ से टकरा गया। हादसे में वाहन सवार जवान घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। सेना के अस्पताल में उनका उपचार जारी है। शुरुआती जानकारी में नौ जवानों के घायल होने की बात सामने आई थी, लेकिन पुलिस ने सात जवानों के घायल होने की पुष्टि की है। इनमें दो की हालत गंभीर बताई गई है। अन्य पांच जवानों की स्थिति को लेकर फिलहाल विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। चेवल्ला के इंस्पेक्टर नरेंद्र रेड्डी के मुताबिक, सेना की ओर से जवानों के संबंध में अब तक आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

पीओके में यात्री वैन नदी में गिरी, 11 लोगों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में यात्री वैन के नदी में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। हादसा उस समय हुआ, जब वैन गिलगित से घिजर जिले की यासीन घाटी जा रही थी। मृतकों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, हादसा गुरुवार शाम मोर्काह पुल के पास हुआ। इसी दौरान चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और वैन यासीन नदी में जा गिरी। दुर्घटना के बाद बचाव दल को मौके पर बुलाया गया। बचावकर्मियों ने नदी से 10 यात्रियों के शव निकाले। इनमें दो महिलाएं शामिल थीं। इसके अलावा तीन घायलों को भी बाहर निकाला गया। घायलों में एक बच्चा भी था। सभी को उपचार के लिए गुपिस सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, उपचार के दौरान गंभीर रूप से घायल बच्चे की भी मौत हो गई। इसके बाद हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई। दो अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। मृतक और घायल सभी यासीन घाटी के निवासी बताए गए हैं।



दुबई एयरपोर्ट ने स्पाइसजेट की चेक-इन सेवा रोकी, चार उड़ानें रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक संकट से जूझ रही स्पाइसजेट की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। बकाया भुगतान नहीं करने पर दुबई एयरपोर्ट ने 12 नवंबर से एयरलाइन की चेक-इन सेवाएं निलंबित कर दी हैं। एयरपोर्ट ऑपरेटर के मुताबिक, स्पाइसजेट पर करीब 14 मिलियन दिरहम यानी 35.8 करोड़ रुपये बकाया हैं। इस कार्रवाई के बाद दुबई से भारत आने वाली चार उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। दुबई एयरपोर्ट्स ने 9 नवंबर को एयरलाइन को बकाया भुगतान बढ़कर 14 मिलियन दिरहम होने की जानकारी दी थी। ऑपरेटर के अनुसार, 13 अक्टूबर के बाद से स्पाइसजेट ने कोई भुगतान नहीं किया था। एयरलाइन को चेतावनी दी गई थी कि 12 नवंबर तक पूरी राशि जमा नहीं होने पर चेक-इन सेवाएं बंद कर दी जाएंगी। भुगतान नहीं होने पर चेतावनी के मुताबिक कार्रवाई की गई। हालांकि, पहले से निर्धारित अहमदाबाद और दिल्ली की दो उड़ानों को राहत दी गई। इन उड़ानों के लिए ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी डीएनएटीए को चेक-इन की अनुमति दी गई थी। इसके बाद दुबई से अमृतसर, जयपुर, मुंबई और दिल्ली जाने वाली चार उड़ानें रद्द करने के निर्देश जारी किए गए। आंतरिक ईमेल में इसका कारण ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी को भुगतान नहीं करना बताया गया। मामले में दुबई सिविल एविएशन अथॉरिटी ने स्पाइसजेट के दुबई स्टेशन मैनेजर को तलब किया। अथॉरिटी ने एयरलाइन को यात्रियों को उड़ानें रद्द होने की सूचना देने और उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसमें फंसे यात्रियों के ठहरने के लिए होटल और परिवहन की व्यवस्था करना भी शामिल है।



कटनी की चोरी : प्रदेश की 5 बड़ी चोरियों में से एक



कटनी, यशभारत। *मध्य प्रदेश में करोड़ों की बड़ी चोरियों के इतिहास में अब कटनी का नाम भी प्रमुखता से जुड़ गया है। बरगवां स्थित 'किसना ज्वेलर्स' शोरूम की 9 इंच मोटी दीवार काटकर 12 से 15 करोड़ रुपये के जेवरात उड़ा ले जाने की सनसनीखेज वारदात ने पूरे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया है। यह वारदात इतनी बड़ी है कि इसने मध्य प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी और चर्चित चोरियों की फेहरिस्त में जगह बना ली है। कटनी की इस घटना के संदर्भ में आइए जानते हैं प्रदेश की उन 5 सबसे बड़ी चोरियों के बारे में, जहाँ शातिर चोरों ने बिना किसी हथियार के बल पर, केवल सेंधमारी और चकमा देकर करोड़ों के माल पर हाथ साफ किया।*

अब तक इन वारदातों ने झकझोरा मध्य प्रदेश को

1. भोपाल राज्य संग्रहालय की चोरी (लगभग 15 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: सितंबर 2024, श्यामला हिल्स, भोपाल। वारदात का तरीका: एक शातिर चोर टिकट लेकर आम पर्यटक की तरह संग्रहालय में दाखिल हुआ और अंदर छिप गया। शाम को संग्रहालय बंद होने के बाद उसने गुप्त काल से लेकर नवाबी दौर तक के बेशकीमती प्राचीन सोने-चांदी के सिक्के और आभूषण समेट लिए, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 15 करोड़ रुपये आंकी गई।
- * अंजाम: भागने के चक्कर में आरोपी 25 फीट ऊँची दीवार से कूदा जिससे उसका पैर टूट गया और वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जिससे पूरा खजाना बरामद हो सका।

2. कटनी के किसना ज्वेलर्स शोरूम में सेंधमारी (12 से 15 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: नवंबर 2026, बरगवां (माधवनगर), कटनी।
- वारदात का तरीका: चोरों ने शोरूम के पीछे स्थित पहाड़ी और सुनसान खदान का फायदा उठाकर 9 इंच मोटी दीवार में छेद (सेंध) किया। अंदर घुसते ही उन्होंने सीसीटीवी का डीवीआर बंद कर दिया और गैस कटर व औजारों की मदद से शोरूम के लगभग सारे सोने व हीरे के जेवरात साफ कर दिए। बाहर गार्ड तैनात होने के बावजूद बिना किसी का सामना किए चोर माल लेकर फरार हो गए।

3. जबलपुर का 'पायल वाला' गोल्ड शोरूम कांड (करीब 5.5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: अगस्त 2022, गोलबाजार, जबलपुर।
- वारदात का तरीका: कर्ज में डूबे एक स्थानीय कारोबारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक महीने तक शोरूम की रेकी की। रात के समय चोरों ने शोरूम के 10 ताले काटे, सीसीटीवी डीवीआर उखाड़ा और दो घंटे तक इत्मीनान से 10 किलो से अधिक सोने के गहने बोरियों में भर लिए। बाद में पुलिस ने पूरे गिरोह को पकड़कर शत-प्रतिशत जेवर बरामद कर लिए थे।

4. उज्जैन एसबीआई लॉकर चोरी (करीब 5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: सितंबर 2025, महानंदा नगर, उज्जैन।
- वारदात का तरीका: मास्टरमाइंड चोर ने बेहद शातिराना तरीके से बैंक की सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर रात के अंधेरे में स्ट्रांग रूम और लॉकर से नकदी व सोने के आभूषणों पर हाथ साफ किया। उज्जैन पुलिस की विशेष टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस हाई-प्रोफाइल चोरी का पर्दाफाश किया था।

5. सतना के 'जैन ज्वेलर्स' शोरूम में सेंधमारी (करीब 3.5 करोड़ रुपये)

- कब और कहाँ: जुलाई 2023, सिटी कोतवाली क्षेत्र, सतना।
- वारदात का तरीका: चोरों ने शोरूम की छत और दीवार काटकर भीतर प्रवेश किया। उन्होंने गैस कटर की मदद से तिजोरी काटी और करीब 5 किलो सोना व हीरे के जेवरात चुरा ले गए। पुलिस ने कई राज्यों में दबिश देकर इस अंतरराज्यीय गिरोह को पकड़ा था।

रेलवे आरएसी टिकट व्यवस्था खत्म करने पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आरएसी (रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसलेशन) टिकट व्यवस्था में बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इस व्यवस्था को खत्म करने की संभावना भी तलाशी जा रही है। यदि ऐसा होता है तो लाखों रेल यात्रियों को राहत मिल सकती है। फिलहाल आरएसी टिकट के तहत एक ही बर्थ पर दो यात्रियों को सफर करने की अनुमति दी जाती है। रेलवे में जब आरक्षित सीटों की मांग बढ़ जाती है और सभी यात्रियों को पूरी बर्थ उपलब्ध नहीं हो पाती, तब आरएसी टिकट जारी किए जाते हैं। इस व्यवस्था में दो यात्रियों को एक ही बर्थ पर बैठकर यात्रा करनी पड़ती है। दोनों यात्रियों को आधी-आधी जगह मिलती है। रात के समय उन्हें इसी सीमित जगह में सोना पड़ता है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा में काफी परेशानी होती है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, यात्रियों की सुविधा से जुड़ी चिंताओं के चलते रेलवे इस व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि जब किसी यात्री को सोने के लिए पूरी बर्थ उपलब्ध नहीं होती, तो उससे पूरी यात्रा का किराया लेना उचित नहीं है। इसी आधार पर मौजूदा नियम में बदलाव की जरूरत महसूस की जा रही है।



नहाय-खाय के साथ शुरू हुआ लोक आस्था का महापर्व छठ, घरों से घाटों तक दिखने लगी रौनक

चार दिनों तक चलेगा सूर्यदेव की उपासना का पर्व



जबलपुर,यशभारत। लोक आस्था का चार दिवसीय महापर्व छठ शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ शुरू हो गया। पर्व को लेकर शहर में रहने वाले बिहार और उत्तर प्रदेश मूल के परिवारों में खासा उत्साह है। घरों से लेकर पूजा स्थलों तक तैयारियां दिखाई देने लगी हैं। जबलपुर में छठ पूजा का विस्तार अब किसी एक घाट या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। नर्मदा के घाटों से लेकर शहर के अलग-अलग तालाबों और जलस्रोतों तक सूर्यदेव की आराधना की जा रही है।

छठ महासंघ के अनुसार शहर में करीब 18 स्थानों पर पूजा की व्यवस्था की गई है। छठ पर्व के पहले दिन नहाय-खाय पर व्रतियों ने स्नान और घरों की साफसफाई के बाद सात्विक भोजन ग्रहण कर व्रत का संकल्प लिया। वहीं गौरीघाट, तिलवाराघाट, भटौली घाट और अधारताल तालाब सहित अन्य प्रमुख घाटों और जलस्रोतों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पूजा की तैयारियों और पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह नजर आया। परिवार के सदस्य भी घाटों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं में जुटे रहे। शनिवार,14 नवंबर को पर्व के दूसरे दिन खरना होगा। इस दिन व्रती पूरे दिन उपवास रखकर शाम को पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके बाद निर्जला व्रत शुरू होगा। रविवार, 15 नवंबर को छठ पूजा का मुख्य आयोजन होगा। व्रती दिनभर उपवास रखकर शाम को जलस्रोतों और घाटों पर पहुंचेंगे तथा अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगे। बांस के सूप और टोकरी में फल, नारियल, ठेकुआ सहित पूजन सामग्री सजाकर सूर्यदेव की आराधना की जाएगी। सोमवार, 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय व्रत का समापन होगा।

शहर के 18 स्थानों पर होगी पूजा

जबलपुर में छठ पूजा का आयोजन शहर के अलग-अलग इलाकों में सामूहिक रूप से किया जाता है। छठ महासंघ की ओर से जारी प्रमुख पूजा स्थलों की सूची में गौरीघाट, तिलवाराघाट, भटौली घाट, अधारताल तालाब, हनुमानताल, पुराना कंचनपुर तालाब, रांझी एसएएफतालाब, मानेगांव तालाब और ईस्टलैंड खमरिया तालाब शामिल हैं। इसके अलावा घाना खमरिया तालाब, मढ़ई तालाब बिलपुरा, उदय नगर तालाब, तीन पुलिया न्यू कंचनपुर, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी महाराजपुर, चांदमारी तलैया, टेलीग्राफकॉलोनी रानीताल, गुलौआ चौक और संजीवनी नगर के शाही तालाब में भी पूजा की व्यवस्था की गई है।

अस्त और उदय होते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा

छठ पर्व में सूर्यदेव के साथ छठी मैया की पूजा का विशेष महत्व है। इस पर्व की खासियत है कि इसमें डूबते और उगते दोनों सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। श्रद्धालु संतान की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की कामना के साथ कठिन निर्जला व्रत रखते हैं। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व आस्था, अनुशासन, स्वच्छता और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक है।

आज से शुरू हुआ मोतियाबिंद जांच अभियान, मेडिकल में होंगे ऑपरेशन

23 दिसंबर तक जिले के 14 स्थानों पर लगेंगे शिविर

जबलपुर,यशभारत। ग्रामीण क्षेत्रों में मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज द्वारा विशेष अभियान शुक्रवार से शुरू कर दिया गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत जिला अंधत्व नियंत्रण समिति और मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में 13 नवंबर से 23 दिसंबर तक जिले के विभिन्न विकासखंडों में नेत्र जांच शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में जांच के दौरान मोतियाबिंद से पीड़ित पाए जाने वाले मरीजों को मेडिकल कॉलेज में निःशुल्क ऑपरेशन और लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा मिलेगी। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना और अधीक्षक डॉ. अरविंद शर्मा के निर्देशन में नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पद्मिनी वरखेड़े के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर मरीजों की जांच कर रही है। अभियान का उद्देश्य उन जरूरतमंद मरीजों तक नेत्र चिकित्सा की सुविधा पहुंचाना है, जो आर्थिक या अन्य कारणों से समय पर उपचार नहीं करा पाते। इसके अलावा अस्पताल में रहने, भोजन, दवाइयों और लेंस प्रत्यारोपण का खर्च भी मरीजों से नहीं लिया जाएगा।

23 दिसंबर तक यहां लगेंगे शिविर

नवंबर में 13 नवंबर को बरगी, 16 नवंबर को सिहोरा, 19 नवंबर को मझौली, 25 नवंबर को पाटन, 27 नवंबर को पनागर और 30 नवंबर को शहपुरा में शिविर आयोजित होंगे। दिसंबर में 1 तारीख को बरेला, 3 को चरगवां, 7 को कुंडम, 10 को बेलखेड़ा, 14 को बरगी, 17 को मझगवां, 21 को सिहोरा और 23 दिसंबर को पाटन में जांच शिविर लगाए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों से निर्धारित तिथियों पर शिविरों में पहुंचकर आंखों की जांच कराने और इस निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाने की अपील की है।

केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव' एवं 'काँच ही बाँस के बहंगिया

पमरे के प्रमुख स्टेशनों पर गूंज रहे छठी मैया के पारंपरिक गीत



जबलपुर यशभारत। लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर पश्चिम मध्य रेल द्वारा यात्रियों को पर्व की परंपरा, संस्कृति एवं उल्लास से जोड़ने के लिए विशेष पहल की गई है। इसके तहत जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से छठ महापर्व के पारंपरिक लोकगीतों का प्रसारण किया जा रहा है।

इन स्टेशनों में गीतों से वातावरण भक्तिमय हो रहा- जबलपुर मंडल के जबलपुर, मदन महल, कटनी, सतना, मैहर, नरसिंहपुर, पिपरिया, सागर, दमोह एवं रीवा, भोपाल मंडल के भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी, बीना एवं गुना तथा कोटा मंडल के कोटा, गंगापुर सिटी, झालावाड़ सिटी, बारां, भरतपुर एवं सवाई माधोपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर छठी मैया के पारंपरिक गीतों से वातावरण भक्तिमय हो रहा है। 'केलवा के पात पर उगेलन सुरुजदेव' एवं 'काँच ही बाँस के बहंगिया' जैसे लोकप्रिय गीत विशेष रूप से बिहार एवं पूर्वांचल की ओर यात्रा कर रहे यात्रियों को अपनी संस्कृति और घर-परिवार से जुड़ाव का सुखद एहसास करा रहे हैं।



अनंत ब्राह्मण महासभा का परिचय सम्मेलन 15 को

जबलपुर, यशभारत। आगामी 15 नवंबर, रविवार को अनंत ब्राह्मण महासभा द्वारा जबलपुर में एक भव्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। संस्था के राष्ट्रीय संस्थापक एडवोकेट अखिलेश उपाध्याय और राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित के. के. शर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन का पंजीयन पूर्णतया निःशुल्क रखा गया है। इस वर्ष पिछले वर्ष के मुकाबले युवतियों के प्रस्ताव अधिक प्राप्त हुए हैं, तथा बाहर से आने वाली युवतियों के ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था महासभा द्वारा की गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और भगवान परशुराम के पूजन के साथ होगा, जिसके बाद उपस्थित युवक-युवतियों के बायोडाटा का वाचन किया जाएगा। इस अवसर पर 'स्नेह बंधन-2026' पत्रिका का विमोचन भी विशेष रूप से किया जाएगा। पंडित एस.के. पचौरी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य योग्य जीवनसाथी की तलाश कर रहे युवाओं को सही मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंत में दोपहर भोज और शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

बदमाशों ने पत्थर बरसाए और गाड़ियों में की तोड़फोड़

जबलपुर,यशभारत। शंकर शाह नगर में गुरुवार शाम हथियारों से लैस बदमाशों ने एक परिवार के घर पर जमकर उत्पात मचाया। पीडब्ल्यूडी मंदिर के सामने खेत के पास स्थित घर पर पहुंचे आधा दर्जन से अधिक युवकों ने कथित तौर पर चाकू, रॉड और पिस्तौल के दम पर पथराव किया। आरोपियों ने घर परिसर में खड़े तीन वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इतना ही नहीं, परिसर में बने तीन-चार कमरों में भी तोड़फोड़ की। घटना के बाद से पूरा परिवार दहशत में है। पीड़ित शेखर च वर्ती के मुताबिक, गुरुवार शाम करीब 6:30 बजे कुछ युवक उनके घर पहुंचे और पुरानी रंजिश को लेकर हमला कर दिया।

आज कृषक प्रतिनिधियों की बैठक

जबलपुर यशभारत। मध्य प्रदेश से भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के के अग्रवाल एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य रूपेंद्र पटेल को बैठक में भाग लेने आमंत्रित किया गया, जिन्होंने आज सायं बैठक में भाग लेने दिल्ली प्रस्थान किया। विगत माह जोधपुर (राज.) मे आयोजित अखिल भारतीय कृषक परिषद की बैठक में संकलित किसानों की समस्याओं एवं कृषि नीति के सन्दर्भ मे तैयार ड्राफ्ट / मसौदा जिसमें विशेष रूप से समर्थन मूल्य, फसल लागत गणना, बैंक ऋण माफ़ी, सब्सिडी, गांव खेत किसान के बजट में बढ़ोतरी, स्मार्ट विलेज, आयत निर्यात नीति में सुधार, डब्लू टी ओ में भारत के किसानों का पक्ष, विदेशो से उत्पाद पर अनुकूल टेरीफ समझौता, किसानों की न्यूनतम आय हेतु आयोग का गठन, फसल बीमा में सुधार, पराली पर सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशो का पालन, पूरे देश में विद्युत नियमों मे समानता,बीज क़ानून में सुधार, सोर ऊर्जा का विस्तार आदि सम्मलित है, दिल्ली मे आयोजित इस बैठक में रखकर किसानों का पक्ष जोरदारी से रखा जायेगा।

208 मत्स्य कृषकों को आधुनिक मछली पालन का प्रशिक्षण, सात दिवसीय कार्यक्रम शुरू

जबलपुर,यशभारत। मछली पालन को अधिक लाभकारी बनाने और मत्स्य कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग द्वारा सात दिवसीय प्रशिक्षण सह भ्रमण कार्यक्रम शुरू किया गया है। मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय जबलपुर में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंडों से पट्टाधारक समितियों और समूहों के कुल 208 मत्स्य कृषक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्त संचालक मत्स्योद्योग गिरीश मेश्राम, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के डीन सुनील कुमार महाजन, सहायक प्राध्यापक सोना दुबे और सहायक संचालक मत्स्योद्योग राजा राज तिलक धुर्वे की उपस्थिति में हुआ। उद्घाटन सत्र में अतिथियों ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य मत्स्य कृषकों को मछली पालन की आधुनिक तकनीकों, बेहतर प्रबंधन और वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराना है। इसके साथ ही उन्हें एनएफडीपी पंजीयन, किसान क्रेडिट कार्ड और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि वे उपलब्ध सुविधाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को आगे बढ़ा सकें। प्रशिक्षण के पहले पांच दिनों में कृषकों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। इसके बाद दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा।

विश्व मधुमेह दिवस पर कल निकलेगी 'चलो जबलपुर' जागरूकता रैली

जबलपुर, यशभारत। विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर शनिवार, 14 नवंबर को रिसर्च सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफडायबिटीज इन इंडिया (RSSDI) एमपी चैप्टर एवं विशुद्ध हेल्थ केयर जनसेवा समिति द्वारा 'चलो जबलपुर' मधुमेह जागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली सुबह 8:30 बजे राइट टाउन स्टेडियम से शुरू होकर मानस भवन, तीन पत्ती चौक और मालवीय चौक होते हुए आजाद पैलेस (डीएन जैन मंदिर) पहुंचेगी। रैली के बाद डीएन जैन परिसर में सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित होगा। इसमें ब्लड शुगर, एचबीए1सी, लिपिड प्रोफाइल, बीएमडी, नेत्र जांच, एनसीवी, यूरिक एसिड, हीमोग्लोबिन, दंत जांच और रेटिनोपैथी जांच के साथ डाइट परामर्श भी दिया जाएगा। आयोजन के जिला समन्वयक डॉ. अंकित सेठ ने बताया कि मधुमेह अब युवाओं और बच्चों को भी प्रभावित कर रहा है। इससे बचाव के लिए संतुलित आहार, प्रतिदिन 30 मिनट पैदल चलना और नियमित जांच जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से सफेद शर्ट या टी-शर्ट पहनकर रैली में शामिल होने की अपील की है। आयोजन में आईएमए, रोटरी एवं लायंस क्लब, जिटो सहित विभिन्न संस्थाएं सहयोग करेंगी।

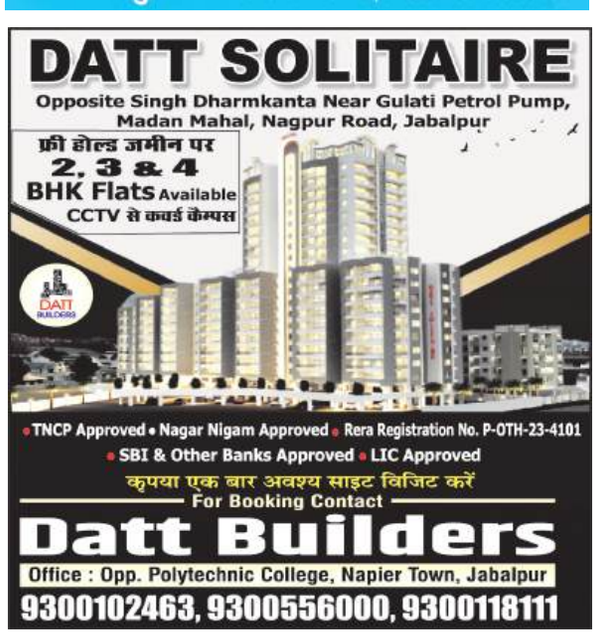
विश्व डायबिटीज दिवस पर बोहरा समाज का निःशुल्क जांच शिविर कल

जबलपुर, यशभारत। विश्व डायबिटीज दिवस के अवसर पर दाऊदी बोहरा समाज द्वारा शनिवार, 14 नवंबर को निःशुल्क डायबिटीज जांच शिविर आयोजित किया जाएगा। हिज हाइनेस सैयदना मुफ्द्दल सैफुद्दीन साहब की प्रेरणा से आयोजित यह शिविर सुबह 10 बजे कोतवाली स्थित बोहरा मस्जिद के बेसमेंट में लगेगा। शिविर में चिकित्सक डॉ. सुरेश पटेल सहित अन्य विशेषज्ञ मधुमेह, ब्लड प्रेशर और संबंधित बीमारियों की जांच कर आवश्यक परामर्श देंगे। समाज की संस्था अंजुमन-ए-बद्री ने बताया कि बदलती जीवनशैली, तनाव और भागदौड़ के कारण डायबिटीज के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर,यशभारत। मध्य प्रदेश ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन (इंटक) की नई प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी गई है। प्रदेश कार्यसमिति के चुनाव के बाद प्रदेश इंटक अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव के अनुमोदन से फेडरेशन के महामंत्री प्रवेश मिश्रा ने निर्वाचित पदाधिकारियों की सूची जारी की। घोषित कार्यकारिणी में कृपाशंकर वर्मा को अध्यक्ष, शंकर दयाल शर्मा को कार्यकारी अध्यक्ष, प्रवेश मिश्रा को महामंत्री और अशोक श्रीवास्तव को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं विनोद कुमार पांडे, सतीश चंद्र व्यास, लक्ष्मी नारायण पाठक, डॉ. सीएल यादव, कामता प्रसाद मिश्रा, सुशीला यादव सहित 10 सदस्यों को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा रामराज तिवारी और नारायण राव निकम संयुक्त महामंत्री बनाए गए हैं। राजेंद्र सिंह जादौन सहित 10 सदस्यों को मंत्री तथा विजय कुमार शर्मा और शैलेश शुक्ला को प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। शौकीनदास को कार्यालय मंत्री बनाया गया है। फेडरेशन के अनुसार प्रबंधकारिणी के साथ संभागीय और जिला स्तर के पदाधिकारियों का मनोनयन भी जल्द किया जाएगा।





















पराली प्रबंधन को लेकर देर से जागा प्रशासन, खेतों में उतरकर जानी हकीकत

जबलपुर, यश भारत

खेतों में पराली (फसल अवशेष) प्रबंधन को लेकर यश भारत की खबरों का अब बड़ा असर देखने को मिला है। प्रशासनिक सुस्ती और संसाधनों की कमी पर सवाल उठने के बाद जिला कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा खुद एक्शन मोड में नजर आए और गुरुवार को मैदानी निरीक्षण के लिए निकल पड़े। उन्होंने पनागर विकासखंड के ग्राम उमरिया चौबे और ग्राम नुनिया कला पहुंचकर पराली प्रबंधन के कार्यों का जायजा लिया।



यशभारत खबर का असर

ट्रैक्टर पर बैठकर देखी प्रक्रिया किसानों से की चर्चा

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने खेतों का भ्रमण कर फसल कटाई के बाद बचने वाले अवशेषों के प्रबंधन के कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेत में स्वयं ट्रैक्टर पर बैठकर बेलर यूनिट से पराली संग्रहण के कार्य को करीब से देखा तथा सुपर सीडर एवं हैप्पी सीडर के माध्यम से बिना पराली जलाए बोनी किए जाने की प्रक्रिया का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने किसानों से सीधे चर्चा कर पराली प्रबंधन के लिए अपनाई जा रही तकनीकों और उनके अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने किसानों को समझाइश दी कि पराली जलाने से खेत की उर्वरा शक्ति प्रभावित होती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर आधुनिक कृषि यंत्रों के माध्यम से बिना पराली जलाए अगली फसल की बोनी की जा सकती है।

कृषि यंत्र संचालकों और अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

कलेक्टर ने मौके पर मौजूद बेलर यूनिट एवं कृषि यंत्र संचालकों से भी संवाद किया। इस दौरान किसानों और संचालकों ने कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधनों की समय पर उपलब्धता तथा खेतों में नमी की स्थिति के अनुसार बोनी करने में आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों से उन्हें अवगत कराया। किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कृषक संगठनों के साथ बैठक कर किसानों की समस्याओं पर चर्चा करें और उनके समाधान के लिए समन्वित प्रयास करें। उन्होंने किसानों को पराली प्रबंधन के लिए समय पर बेलर यूनिट उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया।



कलेक्टर ने कहा कि किसानों की बोनी समय पर सुनिश्चित करने के साथ फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन भी जरूरी है। इसके लिए किसानों, कृषि विभाग और कृषि यंत्र संचालकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए ताकि खेती को लाभकारी बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य को भी हासिल किया जा सके। निरीक्षण के दौरान ग्रामीण एसडीएम कलावती ब्यारे, कृषि यंत्री जीसी मर्सकोले, कृषि उप संचालक उमेश कटहरे तथा संबंधित अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

दीनदयाल रसोई में परखी भोजन की गुणवत्ता

जबलपुर, यशभारत।



मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जबलपुर कैंट विधानसभा क्षेत्र में अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का दौरा जारी रहा। इसी क्रम में विधायक अशोक रोहाणी और महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय तथा नगर निगम आयुक्त अग्रिम कुमार के साथ बड़ा पत्थर, रांझी स्थित दीनदयाल अंत्योदय रसोई का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने रसोई में भोजन करने वाले आम नागरिकों से सीधे संवाद कर व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया और मिलने वाले खाने की गुणवत्ता को परखा। हालात का जायजा लेने के बाद सभी ने रसोई के अंदर पहुंचकर खाना बनने की प्रक्रिया को भी देखा। खास बात यह रही कि औपचारिकता निभाने के बजाय इन सभी ने आम जनता के साथ जमीन पर बैठकर खुद भी वही भोजन किया, जिससे भोजन की असल गुणवत्ता और स्वाद सीधे तौर पर परखा जा सके।

स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा

इसी दौरे की अगली कड़ी में मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत ही अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का दल शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 63 के अंतर्गत सर्रा पीपल पहुंचा। यहां स्थित मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक का निरीक्षण करते हुए स्थानीय स्तर पर मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत टटोली गई। दौरे के दौरान क्लीनिक में मरीजों के लिए उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं, डॉक्टरों की उपलब्धता और आम नागरिकों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तार से जानकारी ली गई, ताकि क्षेत्र के लोगों को बेहतर इलाज सुलभ हो सके।

रांझी में मोबाइल झपटमारी करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर,यश भारत। रांझी थाना क्षेत्र में मोबाइल झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने करीब एक सप्ताह पहले दो वाहनों से पहुंचकर मोबाइल झपटने की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज और आसपास के सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि आवेदक प्रदीप पांडे की शिकायत पर झपटमारी का मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान चार आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में लखन चौधरी, सौरभ चौधरी और शिवा चौधरी सहित चार युवक शामिल हैं। थाना प्रभारी के मुताबिक, आरोपी लखन चौधरी के खिलाफपहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

राइफलें लहराकर हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल

युवक की पहचान को लेकर भी जांच; पुलिस खंगाल रही वीडियो की हकीकत

जबलपुर यशभारत। सोशल मीडिया पर राइफलें लहराकर हर्ष फायरिंग करने का एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है। वायरल वीडियो में एक युवक खुलेआम राइफलें लहराते और फायरिंग करते दिखाई दे रहा है। युवक की पहचान हरजोत खालसा के रूप में बताई जा रही है। वीडियो में तीन राइफलें दिखाई देने और इनमें से दो के लाइसेंस नहीं होने की चर्चाएं भी सामने आई हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सबसे अहम सवाल यह है कि वायरल वीडियो जबलपुर का ही है या किसी अन्य स्थान का। इस संबंध में भेड़ाघाट सीएसपी अंजुल नयन मिश्रा ने बताया कि पुलिस वीडियो की जांच कर रही है।



फिलहाल वीडियो कहां का है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस वीडियो की सत्यता और उससे जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

पुरानी रंजिश में युवक के घर के बाहर फेंके सुअरमार बम

जबलपुर,यश भारत। हनुमानताल थाना क्षेत्र के बड़ी मदार टेकरी सिंधी कैंप में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक के घर के बाहर सुअरमार बम फेंकने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार सिंधी कैंप निवासी 37 वर्षीय संजय चौधरी मजदूरी करता है। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात करीब 2 बजे मोहल्ले में रहने वाला उदय चौधरी उसके घर के बाहर पहुंचा और पुरानी रंजिश को लेकर दो सुअरमार बम पटककर भाग गया। एक बम फटने के बाद उसके अवशेष घर के बाहर बिखरे मिले, जबकि दूसरा बम बिना फटे पड़ा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। संजय चौधरी की रिपोर्ट पर आरोपी उदय चौधरी के खिलाफ धारा 3 और 5 विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।



जनजातीय गौरव दिवस समारोह कल

जबलपुर। भगवान बिरसा मुंडा जयंती के अवसर पर कल, 14 नवंबर को गैरिसन ग्राउंड में राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री सहित मंत्रीगण और जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और विद्युत व्यवस्था की जांच कर प्रमाण पत्र लेने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को स्थल पर डॉक्टरों की टीम, एंबुलेंस, बसों में फर्स्ट एड और रूट के स्वास्थ्य केंद्रों को अलर्ट मोड पर रखने को कहा गया है। बाहरी जिलों से आने वाली बसों के लिए जिलेवार पार्किंग नक्शा तैयार करने और यातायात सुचारु रखने हेतु प्रमुख मार्गों पर क्रेन तैनात करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, पेयजल, चलित शौचालय और कार्यक्रम के बाद मैदान की साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए आज शाम 4 बजे गैरिसन ग्राउंड में सभी विभागों की विस्तृत बैठक होगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से ऑटो चालक की दर्दनाक मौत

कटंगी में हादसे के बाद मचा हड़कंप

जबलपुर यशभारत। जिले के कटंगी थाना क्षेत्र में बीती रात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक ऑटो चालक की दर्दनाक मौत हो गई। सड़क हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। इस दुर्घटना के संबंध में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि वार्ड नंबर 12 बजरिया निवासी निलेश सेन पिता दरबारी सेन ऑटो चलाता है वह ऑटो लेकर बंशीपुर गया हुआ था रात को जब वह वापस कटंगी लौट रहा था इसी दौरान टोल नाका के पास अज्ञात वाहन चालक ने बाहन को तेज गति में लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चालक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की तथा मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।दुर्घटना के वास्तविक कारणों और टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाने के लिए पुलिस पड़ताल में जुटी है। आसपास के लोगों से पूछताछ के साथ अन्य साक्ष्य भी जुटाए जा रहे हैं।



रुपये देने से मना किया तो चाकू से किया वार, दो युवक घायल



जबलपुर,यशभारत। शहर और ग्रामीण क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने और इनकार करने पर मारपीट की दो घटनाएं सामने आई हैं। लार्डगंज पुलिस के अनुसार, उजारपुरवा निवासी 30 वर्षीय ई-रिक्शा चालक मनोज साहू बुधवार रात करीब 8 बजे काम खत्म कर घर लौट रहा था। रास्ते में आसू बेन, गन्नू बेन और सेजल बेन ने उसे रोककर शराब पीने के लिए 500 रुपये मांगे। मनोज ने रुपये देने से इनकार किया तो तीनों ने गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आसू बेन ने डंडे से हमला कर उसे घायल कर दिया। वहीं, गोसलपुर के ग्राम रमनपुर निवासी 25 वर्षीय मोबाइल दुकान संचालक सुंदरम केवट पर खेरमाई मंदिर के पास हमला किया गया। बुधवार रात करीब 8.15 बजे सौरभ सेन और उसके साथियों ने उससे शराब पीने के लिए रुपये मांगे। मना करने पर गाली-गलौज शुरू कर दी और सौरभ ने चाकू से हमला कर उसे घायल कर दिया। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने लार्डगंज में तीन आरोपियों और गोसलपुर में सौरभ सेन सहित अन्य के खिलाफसंबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

गुटखा और शराब को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, जमकर पथराव

जबलपुर,यशभारत। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के बुंदेला बाबा आईटीआई के पास 11 नवंबर की रात कृष्णा किराना दुकान के पास आयुष बेन द्वारा मंजू पटेल से शराब पीने के लिए रुपये मांगने पर विवाद शुरू हुआ था। रुपये देने से इनकार करने पर आयुष ने गाली-गलौज की। आरोप है कि राजा ने चाकू से हमला कर उमाशंकर की उंगली घायल कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे संदीप और भागचंद के साथ भी मारपीट की गई। वहीं दूसरे पक्ष की संगीता बेन ने आरोप लगाया कि विवाद के बाद मंजू पटेल, प्रकाश पटेल, संदीप पटेल, जयंती पटेल, ममता पटेल सहित अन्य लोग उनके घर पहुंचे और उनके बेटे आयुष, राजा तथा बेटियों के साथ मारपीट व पथराव किया। उन्होंने जातिसूचक गालियां देने का आरोप भी लगाया। घटना में उनकी दोनों बेटियों को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। माढ़ोताल पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं और दूसरे पक्ष के मामले में एससी-एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग,(भ/स) संभाग कटनी (म.प्र.)

E-mail- eepwdkatni@nic.in Phone No. 07622-224277

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 21/व.ले.लि./2026-27/ कटनी, दिनांक 04/11/2026

मध्यप्रदेश शासन लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीयकृत व्यवस्थापन के अन्तर्गत ठेकेदार से राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रभावशील दर अनुसूची दिनांक 01.01.2024 (भवन) तथा दिनांक 11.04.2025 (सड़क) समस्त संशोधन सहित कार्य हेतु निविदायें आनलाईन **Appendix 2.10** निविदा में आमंत्रित की जाती है बिड सेल आनलाईन **https://mptenders.gov.in** पर प्राप्त की जा सकेगी। निविदायें सम्बन्धित कार्यालय में टेण्डर टाईम शैडयूल के अनुसार खोली जावेगी।

क्र.	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	जिला	एस.ओ.आर.	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	अनुमानित लागत राशि (रू.लाख में)	कार्य की अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्यपूर्ण करने की संभावित तिथी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	2026_PWDRB_547648_1	कटनी	11.04.25 01.01.24	सड़क विद्युत	टिकरिया से सिंघवारा होते हुये देवरीकला देवसरी इंदौर पहुंच मार्ग लंबाई 2.20 कि.मी. का निर्माण कार्य विद्युतीकरण कार्य सहित	चतुर्थ	214.77	214770	15000	06 माह वर्षा ऋतु सहित
					योग		214.77			

निविदा की कुल अनुमानित राशि रूपये 214.77 लाख (दो करोड़ चौदह लाख सतहत्तर हजार मात्र)

उपरोक्त वेवसाईट में आन लाईन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने तथा आनलाइन बिड सबमिशन की अंतिम तिथि 25.11.2026 सांय 17.30 बजे तक निर्धारित है। ई.एम.डी. केवल आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी एवं अन्य दस्तावेज केवल आनलाईन माध्यम से ही प्राप्त की जावेगी। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी का विवरण शासन की वेबसाईट **https://mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग(भ/स) संभाग कटनी

G-21353/26

समक्ष न्यायालय नायब तहसीलदार अधारताल, तहसील अधारताल, जिला जबलपुर, म0प्र0
रा.प्र.कं./2193/अ-6/2026-27
अधारताल दिनांक 061426

// आम इश्तहार //

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम बैतला तहसील अधारताल, जिला जबलपुर, म.प्र., को सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री नसीरूद्दीन अंसारी पिता स्व. सिराजुद्दीन बगैरह निवासी 2767/13, नजीराबाद, न्यू अब्दुल हमीद वार्ड, तहसील अधारताल, जिला जबलपुर, म.प्र के द्वारा ग्राम बैतला, नं.ब. 52, प.ह.नं. 01, रा.नि.नं. जबलपुर 1 तहसील अधारताल जिला जबलपुर मप्र में स्थित भूमि खसरा नम्बर 130/2, का रकवा 0.1450 हे. में से का विक्रय प्लाट रकवा 2400 वर्गफुट भूमि पर (मृतक क्रेता - मोहम्मद सिराजुद्दीन पिता मोहम्मद दाऊद) की मृत्यु उपरांत रजिस्टर्ड मृत्यु प्रमाण-पत्र, विक्रय-पत्र के माध्यम से फौती नामांतरण हेतु मृत्यु प्रमाण-पत्र की छायाप्रति, विक्रय-पत्र की छायाप्रति एवं खसरा नकल सहित आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। यह कि वर्तमान राजस्व अभिलेख में विक्रेता जमीला बी पति अब्दुल हमीद पता गोहलपुर, जबलपुर, मध्यप्रदेश, के नाम से भूमिस्वामी हक में दर्ज है। तत्संबध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति हो तो लिखित में आपत्ति मय दस्तावेज पेशी दिनांक तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक-06-11-26
पेशी दिनांक दिनांक- 23/11/26
नायब तहसीलदार अधारताल

गुंडा परेड से अपराधियों में मचा हड़कंप पुलिस ने खंगाली पूरी वंशावली

महीने की पहली तारीख को थाने में हाजिरी लगाने के निर्देश

जबलपुर यशभारत। जिले में अपराधों पर अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस ने गुंडा तत्वों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में सिहोरा एसडीओपी मेहंतो मरावी के नेतृत्व में ग्रामीण थाना क्षेत्रों में गुंडा परेड आयोजित कराई गई। इस दौरान गोहलपुर, मझगवां, सिहोरा एवं खितौला थाना पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों के सूचीबद्ध गुंडा तत्वों को थाने बुलाकर उनकी परेड कराई। पुलिस की इस कार्रवाई से असामाजिक तत्वों में हड़कंप मच गया। परेड के दौरान पुलिस अधिकारियों ने गुंडा तत्वों से उनके वर्तमान रहन-सहन, परिवार, व्यवसाय, आय के स्रोत और पारिवारिक पृष्ठभूमि की विस्तृत जानकारी ली। उनकी पूरी वंशावली खंगालने के साथ ही गतिविधियों और आपराधिक रिकॉर्ड की भी जानकारी जुटाई गई। पुलिस ने सभी को स्पष्ट हिदायत दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि में संलिप्त पाए जाने पर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही सभी गुंडा तत्वों को प्रत्येक माह की पहली तारीख को संबंधित थाने में उपस्थित होकर अपनी हाजिरी दर्ज कराने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने उन्हें अपराधों से दूर रहकर सामान्य जीवन व्यतीत करने और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने की समझाइश भी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस तरह की निगरानी और कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में अपराधी प्रवृत्ति के लोगों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।





स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. प्लांट 18 इंडस्ट्रियल एरिया रिछाई, जबलपुर से मुद्रित एवं जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम विवेकानंद वार्ड जबलपुर से प्रकाशित। स्थानीय सम्पादक प्रवीण अग्रहरि, संपादक अम्बरीष तिवारी*, सलाहकार संपादक श्याम कटारे
RNI No. MPHIN/2007/18675। फोन-2643333 email - jabalpur@yashbharat.co.in। (*पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)

चिंतन-मनन

सोनिया गांधी की Belonging भारतीयता की कसौटी और राजनीतिक विरासत

भारत को अपना सर्वस्व सौंपने वाली महिला को क्या जीवनभर अपनी भारतीयता साबित करनी पड़ी? और क्या पारिवारिक संस्मरणों से इतिहास की जिम्मेदारियां बदली जा सकती हैं? सोनिया गांधी की पुस्तक Belonging: A Journey of Love इन दिनों राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय है। पांच सौ से अधिक पृष्ठों के इस संस्मरण पर पूरी तरह चर्चा होने से पहले ही इसके चुनिंदा प्रसंगों को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। कोई इसे गांधी परिवार के अतीत का खुलासा बता रहा है तो कोई आलोचनाओं को राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित मान रहा है। लेकिन इस पुस्तक का वास्तविक महत्व केवल इसके खुलासों में नहीं, बल्कि इसके शीर्षक 'वृक्षद्यश्ठुद्दद्ठुद्द' यानी अपनत्व और स्वीकार्यता के भाव में भी छिपा है। राजीव गांधी से विवाह के बाद सोनिया गांधी ने भारत को अपना घर, परिवार और कर्मभूमि बनाया। भारतीय संस्कृति और परंपराओं को अपनाया तथा अंततः देश की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बावजूद उनके विदेशी मूल को लेकर दशकों तक सवाल उठते रहे। प्रधानमंत्री बनने की संभावना के समय यह विवाद इतना बढ़ा कि शरद पवार ने भी इसी मुद्दे पर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाई। सोनिया गांधी ने अंततः प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं किया और डॉ. मनमोहन सिंह को आगे किया। उनके इस निर्णय को राजनीतिक त्याग या रणनीतिक समझ, दोनों रूपों में देखा जा सकता है। लेकिन पुस्तक का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष 1975 का आपातकाल है। सोनिया गांधी ने इंदिरा गांधी के फैसले को राजनीतिक गलती माना है और संजय गांधी की भूमिका को प्रमुखता से रेखांकित किया है। सवाल यह है कि क्या आपातकाल की जिम्मेदारी संजय गांधी पर केंद्रित करके इंदिरा गांधी और तत्कालीन कांग्रेस सरकार की जवाबदेही कम की जा सकती है? 25 जून 1975 को आपातकाल लगाने का निर्णय इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली सरकार ने लिया था। विपक्षी नेताओं की गिरफ्तारियां, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध, नागरिक अधिकारों का हनन और जबरन नसबंदी जैसी घटनाएं भारतीय लोकतंत्र के इतिहास पर गहरे दाग हैं। संजय गांधी की भूमिका विवादास्पद थी, लेकिन इसके लिए पूरी व्यवस्था और तत्कालीन राजनीतिक नेतृत्व की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। इसलिए सोनिया गांधी के संस्मरण को न तो राजनीतिक दुर्भावना से खारिज करना उचित है और न ही उसमें लिखी प्रत्येक बात को अंतिम ऐतिहासिक सत्य मान लेना। संस्मरण व्यक्तिगत अनुभव होते हैं, इतिहास का निष्पक्ष मूल्यांकन तथ्यों और प्रमाणों से होता है। मीडिया को भी सनसनीखेज शीर्षकों के बजाय पुस्तक की समग्रता पर चर्चा करनी चाहिए। Belonging एक तरफ सोनिया गांधी के अपनत्व और स्वीकार्यता के संघर्ष की कहानी है, तो दूसरी तरफ गांधी परिवार की राजनीतिक विरासत और जवाबदेही पर विचार करने का अवसर भी। भारतीयता जन्मस्थान से बड़ी है, लेकिन राजनीतिक जिम्मेदारी पारिवारिक स्मृतियों से छोटी नहीं हो सकती। लोकतंत्र में सम्मान और जवाबदेही, दोनों समान रूप से जरूरी हैं।

कड़वे वचन



किसी ने पूछाः मंदिर जाते हैं तो पहले घंटीक्यों बजाते हैं? मैंने प्रतिप्रश्न कियाः फोन आता है तो पहले घंटी क्येां बजती है? फोन की घंटी इशारा है कि किसी ने पुकारा है और मंदिर की घंटी भी इशारा है कि प्रभु तेरा ही सहारा है। मंदिर की घंटी के संग मन मंदिर की घंटी भी बजनी चाहिए। कहें- हे प्रभु मेरा नाथ तू है, दुनिया में हूं अकेला, पर मरे साथ तू है।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-13 नवम्बर, 2026
दिन-शुक्रवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ
बिना मांगे सलाह देने से बचे लेनदेन के मामले में सतर्क रहें देवी पार्वती का पूजन करें

वृष इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
घर के बाहर वाद-विवाद से दूर रहे मन की इच्छा पूर्ण होगी चांदी की गिलास में पानी पिए

मिथुन का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह
उधार लेने व देने से बचें विद्यार्थियों के लिए समय ठीक नहीं है मन में भटकाव रहेगा वट वृक्ष का पूजन करें

कर्क ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो
'रुका हुआ पुराना काम बन सकता है परिवार के किसी सदस्य के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है ओम विधि रूपाय नमः का जाप करें

सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे
वरिष्ठ ओं का मार्गदर्शन मिलेगा अपने ऊपर फोकस बनाए रखें भगवान शिव को जल चढ़ाएं

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो
कारोबारी कार्य में मन लगेगा लाभ के अवसर मिलेंगे लालच में ना फंसे ओम नमः पार्वती पति यह नमः का जाप करें

तुला रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते
धन लाभ के अवसर बढ़ेंगे पारिवारिक चिंता रहेगी शुक्र ग्रह का पूजन करें

वृश्चिक रो, या, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
मन प्रफुल्लित रहेगा तेज ड्राइविंग से बचे हनुमानजी के दर्शन करे

धनु ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे
आज मनमाफिक काम होंगे पुरानी स्मृतियों का मन पर कब्जा रहेगा ब्राह्मणों को दान दे

मकर भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी
घूमने फिरने की योजना साकार होगी मनचाहे लोगों का साथ मिलेगा हाइपर होने से बचे शनि का पूजन करें

कुंभ गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
दिन तनाव भरा कठिन रहेगा शाम की बात मन प्रसन्न रहेगा पीपल के वृक्ष में दिया लगाएं

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची
लोगों के मैसेज पढ़ कर मन प्रसन्न होगा तारीफ होगी लालच में ना फंसे गुरुओं की सेवा करें

महाराष्ट्र में सूखे की मार झेलता किसान, आखिर कब बदलेगी खेती की तस्वीर?

जल संकट, अनिश्चित मानसून, घटता भूजल, खेती की बढ़ती लागत और सरकारी नीतियों की चुनौतियों के बीच महाराष्ट्र का किसान आखिर कब तक सूखे से लड़ता रहेगा? महाराष्ट्र देश के उन राज्यों में शामिल है, जिनकी पहचान औद्योगिक विकास, व्यापार, वित्तीय गतिविधियों और कृषि उत्पादन के लिए रही है। मुंबई देश की आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है, पुणे आईटी और औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन चुका है तथा राज्य के अनेक जिलों में कृषि और सहकारी संस्थाओं का व्यापक नेटवर्क है। इसके बावजूद महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की तस्वीर इससे बिल्कुल अलग दिखाई देती है। यहां किसान कभी कम बारिश तो कभी बेमौसम बारिश, कभी जलाशयों में पानी की कमी तो कभी फसल की लागत और बाजार भाव की मार झेलने को मजबूर है। सवाल यह है कि आर्थिक और औद्योगिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले महाराष्ट्र का किसान आज भी पानी के लिए आसमान की ओर क्यों देख रहा है?

महाराष्ट्र में सूखे की समस्या केवल एक साल की मौसमी परेशानी नहीं है, बल्कि यह वर्षों से चली आ रही संरचनात्मक समस्या है। राज्य के मराठवाड़ा, विदर्भ और पश्चिमी महाराष्ट्र के कुछ हिस्से बार-बार पानी की कमी का सामना करते हैं। हर साल मानसून से उम्मीदें जुड़ती हैं, लेकिन बारिश का असमान वितरण किसानों की मुश्किलें बढ़ा देता है। कहीं सामान्य से कम बारिश होती है तो कहीं कुछ ही दिनों में इतनी अधिक वर्षा हो जाती है कि खेतों की मिट्टी और खड़ी फसल दोनों को नुकसान पहुंचता है। यानी किसान के सामने संकट केवल बारिश की कमी का नहीं, बल्कि बारिश के अनिश्चित और असंतुलित स्वरूप का भी है।

महाराष्ट्र की भौगोलिक परिस्थितियां भी इस संकट को गंभीर बनाती हैं। सरकारी जल संसाधन प्राधिकरण के अनुसार राज्य का लगभग 40 प्रतिशत क्षेत्र सूखा प्रभावित है। राज्य में वर्षा का वितरण 400 से 6,000 मिलीमीटर तक अलग-अलग है और अधिकांश बारिश जून से सितंबर के चार महीनों में होती है। मराठवाड़ा का बड़ा हिस्सा वर्षा छाया क्षेत्र में आता है, जहां औसत वार्षिक वर्षा लगभग 600 मिलीमीटर है। यहां बारिश की अनिश्चितता भी अधिक है।

इसके साथ भूजल की समस्या भी कम गंभीर नहीं है। महाराष्ट्र के भूजल सर्वेक्षण एवं विकास तंत्र के अनुसार राज्य के लगभग 91 प्रतिशत भूभाग में कठोर चट्टानी संरचना है। ऐसी चट्टानों में भूजल का संचय और प्रवाह आसान नहीं होता। परिणामस्वरूप बारिश कम होने पर कुएं और बोरवेल तेजी से सूखने लगते हैं। किसान सिंचाई के लिए निजी बोरवेल पर निर्भर होता है और पानी की तलाश में अधिक गहराई तक खुदाई करवाता है। इससे उसकी आर्थिक स्थिति और कमजोर होती जाती है। लेकिन केवल प्राकृतिक परिस्थितियों को दोष देकर सरकारी व्यवस्था और कृषि नियोजन की जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। महाराष्ट्र में दशकों से सूखे की समस्या मौजूद है। इसके बावजूद आज भी बड़ी संख्या में किसान मानसून आधारित खेती करने को विवश हैं। यदि हर साल सूखे की आशंका रहती है तो फिर जल संरक्षण, सिंचाई के वैकल्पिक साधन और फसल विविधीकरण को कृषि नीति का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा क्यों नहीं बनाया गया?

महाराष्ट्र में गन्ना उत्पादन और चीनी उद्योग का बड़ा आर्थिक महत्व है। पश्चिमी महाराष्ट्र में गन्ने की खेती ने सहकारी चीनी मिलों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। लेकिन गन्ना अधिक पानी मांगने वाली फसल है। ऐसे क्षेत्रों में जहां पानी की उपलब्धता सीमित है, वहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा सकती है। इसका अर्थ यह नहीं कि गन्ने की खेती बंद कर दी जाए, बल्कि यह समझना जरूरी है कि किस क्षेत्र में कौन-सी फसल प्राकृतिक परिस्थितियों के अनुकूल है।

मराठवाड़ा और विदर्भ जैसे क्षेत्रों में ज्वार, बाजरा, दालें, तिलहन और कम पानी में तैयार होने वाली दूसरी फसलों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। किसानों को केवल फसल बदलने की सलाह देना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें बीज, तकनीकी मार्गदर्शन, बाजार की गारंटी, उचित न्यूनतम समर्थन मूल्य और सरकारी खरीद की व्यवस्था भी उपलब्ध करानी होगी। जब तक किसान को वैकल्पिक फसल से उसकी लागत और मेहनत का उचित मूल्य मिलने का भरोसा नहीं होगा, तब तक फसल विविधीकरण का लक्ष्य केवल सरकारी कागजों तक सीमित रह सकता है। दूसरी ओर, खेतों में पानी रोकने की व्यवस्था पर भी गंभीरता से काम करना होगा। खेत तालाब, चेक डैम, छोटे बांध, नालों का पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण जैसे उपायों को गांव स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। जलयुक्त शिवार जैसी योजनाओं के अनुभवों का निष्पक्ष मूल्यांकन होना चाहिए। यह देखना जरूरी है कि जिन गांवों में जल संरक्षण के काम हुए, वहां वास्तव में भूजल स्तर और सिंचाई की स्थिति में कितना सुधार आया।

यहां एक महत्वपूर्ण विरोधाभास सामने आता है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत स्थिति में है। राज्य की आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में 7.9 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों की वृद्धि दर 3.4 प्रतिशत आंकी गई है। यानी औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों की तुलना में कृषि क्षेत्र की वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी है। इसका सीधा अर्थ यह है कि राज्य की आर्थिक प्रगति का लाभ ग्रामीण अर्थव्यवस्था और छोटे किसानों तक समान रूप से नहीं पहुंच पा रहा है। मुंबई में शेयर बाजार की तेजी, पुणे में औद्योगिक विस्तार, नए एक्सप्रेसवे, मेट्रो और बड़े निवेश राज्य की आर्थिक उपलब्धियां हो सकती हैं, लेकिन इनसे उस किसान की समस्या अपने आप हल नहीं होती, जिसकी सोयाबीन की फसल बारिश न होने से सूख गई हो या जिसकी कपास की फसल लागत भी नहीं निकाल पा रही हो।

2026 के मानसून ने इस अंतर को और उजागर किया। सितंबर के अंतिम सप्ताह तक महाराष्ट्र में सामान्य 970.9 मिलीमीटर के मुकाबले 798.2 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो लगभग 18 प्रतिशत कम थी। मराठवाड़ा में बारिश की कमी 38 प्रतिशत और विदर्भ में लगभग 27 प्रतिशत तक पहुंच गई। सूखे जैसी परिस्थितियों के कारण 265 तहसीलों में राहत संबंधी कदमों की आवश्यकता सामने आई। यह आंकड़े बताते हैं कि संकट किसी एक गांव या जिले तक सीमित नहीं रहा।

महाराष्ट्र में जल संरक्षण और सिंचाई के लिए अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलयुक्त शिवार अभियान, सूक्ष्म सिंचाई और जलग्रहण विकास जैसी पहलों का उद्देश्य किसानों तक पानी पहुंचाना और खेती को मानसून की निर्भरता से मुक्त करना है। इसके बावजूद सवाल यह है कि इन योजनाओं का वास्तविक लाभ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों तक कितना पहुंचा है?

मराठवाड़ा में 11 बड़े बांधों को पाइपलाइन के माध्यम से जोड़कर जल ग्रिड विकसित करने की योजना भी सामने आई है। यह पहल पानी की क्षेत्रीय असमानता कम करने में सहायक हो सकती है, लेकिन इसके लिए समयबद्ध क्रियान्वयन, पर्याप्त बजट और पारदर्शिता जरूरी है। केवल योजनाओं की घोषणा से किसानों के खेतों तक पानी नहीं पहुंचेगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू जल प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की भागीदारी है। गांवों में पानी के उपयोग का हिसाब होना चाहिए। तालाबों और जलाशयों पर अतिक्रमण रोकना, पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना तथा भूजल के अनियंत्रित दोहन पर नियंत्रण जरूरी है। सिंचाई के लिए ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी तकनीकों को छोटे किसानों के लिए सस्ता और सुलभ बनाया जाना चाहिए। साथ ही, पानी के उपयोग में कृषि, उद्योग और शहरी जरूरतों के बीच संतुलन भी स्थापित करना होगा।

सूखे की सबसे बड़ी मार छोटे और सीमांत किसानों पर पड़ती है। फसल बर्बाद होने के बाद किसान के सामने केवल अगली फसल बोने का सवाल नहीं होता, बल्कि परिवार का खर्च, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पुराने कर्ज की अदायगी जैसी जिम्मेदारियां भी खड़ी हो जाती हैं। कई बार किसान कर्ज लेकर दोबारा खेती करता है और अगला मानसून भी साथ नहीं देता। इस तरह प्राकृतिक आपदा धीरे-धीरे आर्थिक संकट और ग्रामीण पलायन का कारण बन जाती है।

ऐसे में फसल बीमा योजनाओं को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाना होगा। नुकसान का आकलन समय पर हो और मुआवजा सीधे प्रभावित किसान तक पहुंचे। बीमा कंपनियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त सूखा प्रभावित किसानों को ब्याज राहत, कृषि ऋण पुनर्गठन, पशुओं के लिए चारा और पीने के पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

जलवायु परिवर्तन ने इस चुनौती को और जटिल बना दिया है। कभी लंबे समय तक बारिश नहीं होती और कभी कुछ घंटों में इतनी तेज बारिश हो जाती है कि खेतों में पानी भर जाता है। इसलिए कृषि को केवल पारंपरिक मानसून कैलेंडर के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। मौसम पूर्वानुमान, स्थानीय स्तर पर कृषि सलाह, सूखा सहन करने वाली बीज किस्में और फसल विविधीकरण को व्यापक स्तर पर अपनाना होगा।

महाराष्ट्र को देश के आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में गिना जाता है। यहां बड़े उद्योग हैं, मजबूत शहरी अर्थव्यवस्था है, व्यापारिक गतिविधियां हैं और निवेश की संभावनाएं भी हैं। लेकिन किसी राज्य की समृद्धि का वास्तविक आकलन केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, उद्योगों और बड़े निर्माण कार्यों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना होगा कि उस राज्य का किसान कितना सुरक्षित है, ग्रामीण परिवारों की आय कितनी बढ़ी है और खेती प्राकृतिक आपदाओं के सामने कितनी मजबूत हुई है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

छठ पूजा : आस्था समर्पण और लोक संस्कृति का महापर्व

सूरत में छठव्रतियों के स्वागत के लिए सजे घाट प्रशासन की तैयारियों की परीक्षा और श्रद्धालुओं की अटूट आस्था का उत्सव छठ पूजा भारत की प्राचीन धार्मिक परंपराओं और लोक आस्था का ऐसा अनुपम पर्व है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, सूर्य उपासना, अनुशासन, पवित्रता और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना एक साथ दिखाई देती है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की उस जीवनदृष्टि का प्रतीक है, जिसमें सूर्य को जीवन का आधार और जल को प्रकृति का अमूल्य उपहार माना गया है। देश के लगभग हर राज्य में छठ पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाती है। हालांकि बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में इसकी विशेष परंपरा रही है, लेकिन आज यह पर्व देश की सीमाओं से निकलकर राष्ट्रीय पहचान बना चुका है। गुजरात में भी विशेषकर उत्तर गुजरात के प्रवासी समाज के बीच छठ पूजा का विशिष्ट स्थान है।

छठ पर्व की सबसे बड़ी विशेषता छठव्रतियों का कठोर अनुशासन, अटूट विश्वास और अद्भुत समर्पण है। चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व नहाय-खाय से आरंभ होता है। इसके बाद खरना का विधान होता है। तीसरे दिन व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं और अगले दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का समापन करते हैं। इस दौरान व्रती पूरी श्रद्धा, पवित्रता और नियमों का पालन करते हैं। कई श्रद्धालु निर्जला उपवास रखकर सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं। उनकी यह साधना भारतीय नारी शक्ति, मातृत्व, त्याग और आत्मबल का प्रेरणादायक उदाहरण है। परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और समाज के कल्याण की भावना इस पर्व को और भी विशिष्ट बनाती है।

सूरत जैसे औद्योगिक महानगर में छठ पूजा का उत्साह देखते ही बनता है। वस्त्र उद्योग, हीरा उद्योग, व्यापार, निर्माण क्षेत्र और विभिन्न रोजगारों से जुड़े बिहार, झारखंड तथा पूर्वांचल के लाखों लोग सूरत में रहते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में श्रमिक और व्यवसायी परिवार छठ पूजा मनाने के लिए अपने वतन लौटते हैं। त्योहार के अवसर पर रेलगाड़ियों और बसों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। अपने गांव, परिवार और पुश्तैनी परंपराओं के बीच छठ मनाने की इच्छा उन्हें हजारों किलोमीटर की यात्रा करने के लिए प्रेरित करती है। उनके लिए छठ पूजा केवल त्योहार नहीं, बल्कि अपनी मिट्टी, अपनी संस्कृति और पारिवारिक जड़ों से जुड़ने का अवसर है।

हालांकि सभी लोग अपने गृह प्रदेश नहीं जा पाते। रोजगार, कारोबार और पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अनेक परिवार गुजरात में ही रहकर छठ पूजा मनाते हैं। ऐसे श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान करते हुए सूरत में विभिन्न स्थानों पर छठ पूजा के घाट सजाए जा रहे हैं। बिहार विकास परिषद हर वर्ष छठव्रतियों के लिए घाटों की व्यवस्था करती है। परिषद के कार्यकर्ता श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूजा स्थलों को तैयार करने में जुटते हैं। घाटों की सजावट, साफ-सफाई और धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं इस बात का प्रमाण हैं कि प्रवासी



समाज ने अपनी संस्कृति को नई भूमि पर भी पूरी जीवंतता के साथ सुरक्षित रखा है। गुजरात की धरती पर छठ का यह आयोजन सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का सुंदर उदाहरण बन गया है।

छठ पूजा की सफलता में प्रशासन की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सूरत महानगरपालिका, पुलिस प्रशासन और संबंधित विभागों के सामने श्रद्धालुओं की सुरक्षा तथा सुविधाओं की बड़ी जिम्मेदारी रहती है। घाटों की समय रहते सफाई, जलाशयों के आसपास पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग सुविधाएं, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा सहायता और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना आवश्यक है। जलाशयों में उतरने के लिए सुरक्षित व्यवस्था, फिसलन रोकने के उपाय, बैरिकेडिंग और गहरे पानी वाले स्थानों पर चेतावनी संकेत भी लगाए जाने चाहिए।

संध्या अर्घ्य और प्रातःकालीन अर्घ्य के समय बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचते हैं। ऐसे में यातायात व्यवस्था सुचारु रखना पुलिस प्रशासन की विशेष जिम्मेदारी है। भीड़ नियंत्रण, वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग, महिला सुरक्षा और स्वयंसेवकों की तैनाती से श्रद्धालुओं को परेशानी से बचाया जा सकता है। प्रशासन को आयोजक संस्थाओं के साथ समन्वय बनाकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी श्रद्धालु को अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। साथ ही प्लास्टिक और कचरे से जलाशयों को प्रदूषित होने से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाना चाहिए। प्रशासन की तैयारियों का वास्तविक मूल्यांकन इसी बात से होगा कि छठव्रती कितनी सहजता, सुरक्षित वातावरण और सम्मान के साथ पूजा संपन्न कर पाते हैं।

बिहार विकास परिषद जैसी संस्थाओं का योगदान सराहनीय है। सामाजिक संस्थाएं जब अपने स्तर पर घाटों की व्यवस्था करती हैं तो प्रशासन का सहयोग भी अधिक प्रभावी बनता है। छठ पूजा किसी एक प्रदेश या भाषा के लोगों का पर्व नहीं रह गया है। इसमें गुजरात के स्थानीय नागरिक भी सहभागी बनते हैं। यही भारत की सांस्कृतिक विविधता की सबसे बड़ी ताकत है। अलग-अलग भाषाएं, वेशभूषाएं और परंपराएं होने के बावजूद आस्था और मानवीय संवेदना सभी को एक सूत्र में बांधती हैं।

आज आवश्यकता है कि छठ पूजा को केवल धार्मिक आयोजन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत के उत्सव के रूप में भी देखा जाए। सूर्य और जल की उपासना हमें प्रकृति के महत्व का संदेश देती है। स्वच्छ घाट, निर्मल जल और अनुशासित आयोजन ही इस पर्व की वास्तविक गरिमा को बनाए रख सकते हैं। सूरत में सजते छठ पूजा के घाट इस बात के प्रतीक हैं कि इंसान रोजगार के लिए अपना घर छोड़ सकता है, लेकिन अपनी संस्कृति और संस्कारों को नहीं छोड़ता। हजारों किलोमीटर दूर रहकर भी छठव्रती उसी श्रद्धा से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, जिस श्रद्धा से वे अपने गांव में करते आए हैं। उनकी आस्था, तपस्या और समर्पण को नमन करना चाहिए। प्रशासन, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों के सामूहिक सहयोग से यह महापर्व सूरत में भी हर्षोल्लास, शांति और गरिमा के साथ संपन्न हो, यही कामना है।

छठ पूजा हमें सिखाती है कि सच्ची आस्था के लिए स्थान की दूरी बाधा नहीं बनती। जहां श्रद्धा है, वहीं संस्कृति है और जहां संस्कृति है, वहीं भारत की आत्मा जीवित है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011-12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023-24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है।भारत में निवासरत समस्त वर्गों, अल्पसंख्यकों सहित, के नागरिकों की गरीबी में कमी दिखाई दी है। विशेष रूप से ग्रामीण इलाकों में निवासरत अल्पसंख्यक वर्ग के नागरिकों की गरीबी तेजी से घटी है। लगभग12 वर्ष पूर्व तक जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत नागरिकों के बीच गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या 50 प्रतिशत तक थी जो अब घटकर 12 प्रतिशत के स्तर तक नीचे आ गई है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है।देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छत्तीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

भाईदूज पर जेलों में गूंजा भाई-बहन के प्रेम का उल्लास

6 हजार बंदियों से मिले 20 हजार परिजन, खुली मुलाकात की विशेष व्यवस्था

भोपाल, यश भारत।



भाईदूज के अवसर पर प्रदेश की जेलों में बंदियों को अपने परिजनों के साथ त्योहार मनाने का अवसर मिला। जेल महानिदेशक वरुण कपूर की पहल पर प्रदेश की तीन केंद्रीय जेलों ग्वालियर सागर एवं सर्किल जेल शिवपुरी सहित इनके अधीनस्थ जेलों में विशेष खुली मुलाकात का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में बहनें अपने बंदी भाइयों से मिलने पहुंचीं। उन्होंने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी सुख-समृद्धि और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं महिला बंदियों से मिलने उनके भाई और अन्य परिजन भी पहुंचे। लंबे समय बाद परिवार के सदस्यों और छह वर्ष तक की उम्र के बच्चों से मिलकर बंदियों के चेहरे खिल उठे। कई जगह भावुक मिलन के दौरान खुशी के आंसू भी छलक पड़े। जेल प्रशासन ने इस आयोजन के लिए विशेष इंतजाम किए थे। बंदियों और परिजनों की सुविधा के लिए जेल परिसर के खुले स्थानों में मुलाकात की व्यवस्था की गई। सुरक्षा और निगरानी के बीच पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदेशभर में करीब 6 हजार बंदियों से लगभग 20 हजार परिजनों ने मुलाकात की। इस पहल को बंदियों के पारिवारिक और भावनात्मक जुड़ाव को बनाए रखने तथा उनके सुधार और पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुंबई से रक्सौल के लिए वन-वे स्पेशल ट्रेन 13 नवंबर को होगी रवाना

भोपाल ,यश भारत। त्योहारी सीजन में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मुंबई) से रक्सौल के बीच वन वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 01031 लोकमान्य तिलक टर्मिनस रक्सौल स्पेशल 13 नवंबर को मुंबई से रवाना होकर भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से गुजरेगी। ट्रेन 13 नवंबर की रात 11:20 बजे इटारसी पहुंचेगी और पांच मिनट के ठहराव के बाद 11:25 बजे रवाना होगी। यह 15 नवंबर को रात 1:25 बजे रक्सौल पहुंचेगी। ट्रेन का ठहराव ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज छिवकी, बक्सर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर सहित अन्य स्टेशनों पर रहेगा। ट्रेन में कुल 20 एलएचबी कोच होंगे। यात्रियों को समय-सारणी की जानकारी एनटीईएस ऐप या हेल्पलाइन 139 से मिलेगी।



भीमनगर बस्ती में बच्चों के साथ दीपावली की खुशियां बांटने पहुंचे जीतू पटवारी

बच्चों से किया संवाद, मिठास और मुस्कान के साथ मनाया दीपावली मिलन समारोह

भोपाल,यश भारत। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव अमित शर्मा द्वारा भीमनगर बस्ती में आयोजित दीपावली मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने बस्ती के बच्चों के साथ समय बिताया और दीपावली की खुशियां साझा कीं। पटवारी ने बच्चों से संवाद कर उन्हें त्योहार की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि त्योहारों की असली खुशी तभी है जब समाज के हर वर्ग के साथ मिलकर खुशियां बांटी जाएं। प्रेम भाईचारे और आपसी सौहार्द से ही त्योहारों का महत्व बढ़ता है। बच्चों के साथ दीपावली मनाने का उद्देश्य उनके चेहरों पर मुस्कान लाना और समाज में अपनत्व का भाव मजबूत करना है। कार्यक्रम में भोपाल शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना और भोपाल ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष अनोखी पटेल सहित कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। समारोह में सामाजिक एकजुटता और सद्भाव का संदेश दिया गया।



एम्स भोपाल में सहायक प्रोफेसर के 45 पदों पर भर्ती

वेतन बढ़ाकर 1.90 लाख रुपए प्रतिमाह किया, आवेदन की अंतिम तिथि सात दिन बढ़ाई

भोपाल,यश भारत। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल ने विभिन्न विभागों में संविदा आधार पर सहायक प्रोफेसर के 45 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। संस्थान ने भर्ती प्रक्रिया के तहत महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए चयनित अभ्यर्थियों का मासिक पारिश्रमिक बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रुपए कर दिया है। इन पदों पर सामान्य चिकित्सा कार्डियोलॉजी, बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी मेडिकल जेनेटिक्स और पीडियाट्रिक सर्जरी सहित विभिन्न विभागों में नियुक्तियां की जाएंगी। एम्स प्रशासन ने आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी है। अब इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी संस्थान की वेबसाइट पर शुद्धिपत्र प्रकाशित होने की तारीख से सात दिनों के भीतर आवेदन कर सकेंगे।

किसान कल्याण वर्ष में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की बड़ी उपलब्धि

पांच रुपये में 1.33 लाख किसानों को मिले कृषि पंप कनेक्शन

भोपाल, यश भारत।



किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को बड़ी राहत दी है। कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल नर्मदापुरम ग्वालियर और चंबल संभाग के 16 जिलों में अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसानों को मात्र पांच रुपये के प्रारंभिक शुल्क पर नए स्थाई कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कंपनी के अनुसार भोपाल रीजन के आठ जिलों के 9 305 गांवों में 1 लाख 1 हजार 942 किसानों ने, जबकि ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के 7 284 गांवों में 31 हजार 207 किसानों ने योजना का लाभ लिया है।योजना के तहत बिजली लाइन के नजदीक खेतों वाले किसानों को पांच रुपये में कनेक्शन दिया जा रहा है। शेष राशि का भुगतान मासिक बिजली बिल के साथ किश्तों में किया जा सकता है। इच्छुक किसान अधिक जानकारी के लिए नजदीकी बिजली कार्यालय या हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

भोपाल का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अंतरराष्ट्रीय हॉकी मानचित्र पर चमका

भोपाल , यश भारत। खेल मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश खेलों के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स को इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन से कैटेगरी 1 प्रमाण पत्र मिलना प्रदेश के लिए बड़ी उपलब्धि है। देश में हैदराबाद के बाद भोपाल दूसरा शहर है जिसे यह प्रमाण पत्र मिला है। इसी परिसर में 19 नवंबर से एशियन महिला हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी आयोजित होगी।

सोनिया गांधी की किताब पर सारंग का निशाना, फारूक के बयान पर बोले- यह मोदी सरकार का प्रभाव–सोनिया गांधी की पुस्तक पर प्रियंका गांधी के बयान को लेकर सारंग ने कहा कि किताब के जरिए राहुल गांधी को स्थापित करने की नाकाम कोशिश की गई है। वहीं, फारूक अब्दुल्ला के कश्मीर को भारत का हिस्सा बताने वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का प्रभाव है। धारा 370 हटने से कश्मीर के विकास को नई दिशा मिली है।

उमंग सिंघार ने पढ़ी सोनिया गांधी की पुस्तक ए जर्नी ऑफ लव जीवन के अनकहे पहलुओं को जाना

प्रेम, संघर्ष, कर्तव्य और भारत से जुड़ाव की संवेदनशील कहानी को व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए समझने का अवसर

भोपाल, यश भारत।



कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की पुस्तक ए जर्नी ऑफ लव इन दिनों चर्चा में है। इस पुस्तक को मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी पढ़ा। पुस्तक के माध्यम से उन्होंने सोनिया गांधी के जीवन के उन अनकहे पहलुओं को जानने का अवसर पाया जिनमें प्रेम संघर्ष कर्तव्य विरह और भारत के प्रति उनके गहरे जुड़ाव की झलक मिलती है। ए जर्नी ऑफ लव केवल एक साहित्यिक कृति नहीं बल्कि व्यक्तिगत अनुभवों के जरिए जीवन और इतिहास को समझने का एक संवेदनशील प्रयास है। पुस्तक में सोनिया गांधी के जीवन के अनुभवों के साथ देश की बदलती राजनीतिक और सामाजिक परिस्थितियों का भी उनके नजरिए से चित्रण किया गया है।
पुस्तक में ऐसे कई अनुभवों और परिस्थितियों का उल्लेख है जिन्होंने सोनिया गांधी के व्यक्तित्व उनके जीवन के फैसलों और भारत के साथ उनके रिश्ते को आकार दिया। यह पाठकों को इतिहास को केवल घटनाओं के क्रम में नहीं बल्कि उसे करीब से देखने और जीने वाले व्यक्ति के अनुभवों के माध्यम से समझने का अवसर देती है।
उमंग सिंघार द्वारा इस पुस्तक का अध्ययन सोनिया गांधी के जीवन के व्यक्तिगत और सार्वजनिक पक्षों को जानने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बाजार से हटेगी प्रतिबंधित क्रीम, सप्लाई चेन की होगी जांच

भोपाल में पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम की बिक्री पर सख्ती

भोपाल,यश भारत।



शहर में पाकिस्तानी फेयरनेस क्रीम की खुलेआम बिक्री के मामले में मंत्री विश्वास सारंग ने सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने प्रशासन को मामले में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सारंग ने कहा कि महाराष्ट्र में इस क्रीम पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके बावजूद भोपाल के बाजारों में इसकी बिक्री गंभीर मामला है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भोपाल में भी इस क्रीम को बाजार से हटाया जाएगा। साथ ही इसकी सप्लाई चेन की पूरी जानकारी जुटाई जाएगी। जांच के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि प्रतिबंधित उत्पाद बाजार तक कैसे पहुंच रहा है और इसकी आपूर्ति किन माध्यमों से की जा रही है। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि मामले की गंभीरता से जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए ताकि प्रतिबंधित उत्पाद की बिक्री पर रोक लगाई जा सके।



एम्स भोपाल में टीकाकरण के महत्व पर हुआ मंथन

विशेषज्ञों ने वयस्कों और ऑटोइम्यून मरीजों के टीकाकरण की बताई उपयोगिता

भोपाल,यश भारत। एम्स भोपाल के जनरल मेडिसिन विभाग की ओर से विश्व टीकाकरण दिवस पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शैक्षणिक वैज्ञानिक सत्र आयोजित किया गया। एकेडमिक ब्लॉक स्थित मेडिसिन सेमिनार हॉल में हुए इस कार्यक्रम में विभिन्न आयु वर्गों में टीकाकरण की भूमिका और बीमारियों की रोकथाम पर चर्चा की गई। विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. सीमा पी. महंत ने टीकाकरण के महत्व और वर्तमान चिकित्सा पद्धति में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस दौरान डॉ. शुभम रायकवार ने वयस्क टीकाकरण पर अपडेट और डॉ. गोविंद ने ऑटोइम्यून बीमारियों में टीकाकरण पर अपडेट' विषय पर व्याख्यान दिया।विशेषज्ञों ने वयस्कों और ऑटोइम्यून बीमारियों से पीड़ित मरीजों के लिए टीकाकरण की उपयोगिता बताई। साथ ही साक्ष्य आधारित टीकाकरण को बढ़ावा देकर संक्रमण से बचाव और जनस्वास्थ्य में सुधार पर जोर दिया।

रोजगार और अधिकारों की मांग को लेकर तीन दिवसीय महाआंदोलन, नीलम पार्क में जुटेंगे प्रदेशभर के स्वास्थ्यकर्मी

बेरोजगार कोरोना योद्धा 16 नवंबर से भोपाल में करेंगे प्रदर्शन

भोपाल,यश भारत।



मध्यप्रदेश के बेरोजगार कोरोना योद्धा अपनी लंबित मांगों को लेकर 16 नवंबर से भोपाल में तीन दिवसीय विशाल प्रदर्शन एवं महाआंदोलन करेंगे। कोविड 19 आयुष चिकित्सक संघ एवं पैरामेडिकल स्टाफ के तत्वावधान में यह आंदोलन 16, 17 और 18 नवंबर 2026 को नीलम पार्क में आयोजित होगा। आयोजन के माध्यम से कोरोना काल में सेवाएं देने वाले आयुष चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल कर्मचारियों के रोजगार अधिकार और सम्मान से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। साथ ही प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार की मांग भी की जाएगी। संघ ने प्रदेशभर के बेरोजगार कोरोना योद्धाओं से आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। संगठन का कहना है कि कोरोना महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने वाले कर्मचारियों की मांगों को लेकर एकजुट होकर आवाज उठाई जाएगी। प्रदेश संयोजक डॉ. अंकित असाटी ने सभी कोरोना योद्धाओं से भोपाल पहुंचकर आंदोलन में सहभागिता करने का आह्वान किया है।

छठ घाटों पर व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे विधायक भगवानदास सबनानी

महापौर मालती राय और भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यती रहे मौजूद

भोपाल,यश भारत।



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा की तैयारियों को लेकर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक भगवानदास सबनानी ने गुरुवार को शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान महापौर मालती राय और भाजपा जिलाध्यक्ष रविंद्र यती भी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों ने शीतल दास की बगिया, प्रेमपुरा पुलिस लाइन नेहरू नगर और 5 नंबर स्टॉप स्थित छठ घाटों पर पहुंचकर साफ-सफाई प्रकाश व्यवस्था सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। विधायक सबनानी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि घाटों पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा में कोई कमी न रहे। उन्होंने सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पर्व से पहले पूरी करने को कहा ताकि श्रद्धालुओं को परेशानी न हो। निरीक्षण के दौरान मंडल अध्यक्ष हेमंत बड़गैया मुकेश दहाड़े भोजपुरी समाज के वरिष्ठजन और नगर निगम के संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एनएसयूआई ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन, परीक्षा और प्रैक्टिकल नहीं कराने की भी रखी मांग

छठ महापर्व पर 16 नवंबर को आरजीपीवी में अवकाश की मांग

भोपाल,यश भारत।



छठ महापर्व के अवसर पर 16 नवंबर 2026 को राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में अवकाश घोषित करने की मांग उठी है। इस संबंध में एनएसयूआई भोपाल जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर और जिला महासचिव अनिमेष गोंडली ने कुलपति प्रो. डॉ. आलोक कुमार श्रीवास्तव को ज्ञापन सौंपा। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने बताया कि बिहार उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित कई राज्यों में छठ महापर्व का विशेष महत्व है। मध्यप्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों में भी इन राज्यों के बड़ी संख्या में विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। 16 नवंबर को उषा अर्घ्य और पारण के साथ पर्व का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। जिला अध्यक्ष अक्षय तोमर ने मांग की कि विश्वविद्यालय विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (यूटीड़ी) और सभी संबद्ध कॉलेजों में अवकाश घोषित किया जाए। इस दिन परीक्षा प्रैक्टिकल और वाइवा भी नहीं कराए जाएं। पूर्व निर्धारित परीक्षाओं को अन्य तिथि पर कराने की मांग की गई है। एनएसयूआई ने प्रशासन से जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

गोसलपुर के घोराकोनी गांव में 'खेत बचाओ अभियान' के तहत किसान प्रशिक्षण आयोजित

ICAR-खरपतवार अनुसंधान निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. दीपक पवार ने दिया संतुलित पोषक प्रबंधन का मंत्र, बोले- बिना मिट्टी जांच के खाद डालना जहर डालने जैसा

गोसलपुर, यश भरत। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के खरपतवार अनुसंधान निदेशालय, महाराजपुर, जबलपुर द्वारा *खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत जबलपुर जिले के सिहोरा विकासखंड के ग्राम घोराकोनी में किसानों के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में निदेशालय के वैज्ञानिक डॉ. दीपक पवार ने किसानों को संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन एवं टिकाऊ खेती पर विस्तृत जानकारी दी।





बिना जांच के खाद से बिगड़ रही मिट्टी

डॉ. पवार ने कहा की किसान बिना मृदा परीक्षण के लगातार और असंतुलित रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है, पोषक तत्वों का संतुलन बिगड़ रहा है, लागत बढ़ रही है और पैदावार घट रही है।

उन्होंने किसानों को समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन (ढ्ढह्रू) अपनाने की सलाह दी। उन्होंने बताया की रासायनिक खाद के साथ-साथ गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, हरी खाद, फसल अवशेष और जैव उर्वरकों का उपयोग जरूरी है। राइजोबियम, एजोटोबैक्टर, एजोस्पिरिलम और पीएसबी (क्रक्स्क) जैसे जैव उर्वरक पौधों को पोषक तत्व आसानी से उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने किसानों से मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर नियमित मिट्टी जांच कराने और फसल के अनुसार खाद देने का आह्वान किया।

सिद्धांत और दलहनी फसलों में यूरिया से बचने की सलाह

डॉ. पवार ने खाद के वैज्ञानिक उपयोग के लिए '4क्र सिद्धांत - सही स्रोत, सही मात्रा, सही समय और सही विधि' अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से दलहनी फसलों में अनावश्यक यूरिया के प्रयोग से बचने को कहा। उन्होंने बताया की दलहनी फसलें राइजोबियम बैक्टीरिया से हवा से नाइट्रोजन ले लेती हैं, इसलिए ज्यादा यूरिया देने से जड़ों में गांठें नहीं बनती और फायदा नहीं मिलता।

कार्यक्रम में सल्फर, जिंक और बोरॉन जैसे सूक्ष्म पोषक तत्वों के महत्व पर भी चर्चा की गई।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को मृदा स्वास्थ्य बचाते हुए कम लागत में अधिक और टिकाऊ उत्पादन के लिए प्रेरित करना था।इस मौके पर कृषक संतराम पालीवाल पुरुषोत्तम असाटी अशोक दहायत सतीश बर्मन अनिल दहायत अभिषेक चौरसिया सबल सिंह घसीटा कोल रूकमणि बर्मन बालकृष्ण बर्मन रामकेश गडरी सहित अनेक कृषक उपस्थित थे।



68 करोड़ की सड़क : चार दिन में उखड़ने लगी गिट्टी

पवई, यशभारत। पवई नगर में सलेहा तिराहा से अस्पताल मार्ग तक किया जा रहा ओटीआई (वन टाइम इम्प्रूवमेंट) सड़क चौड़ीकरण एवं सुधार कार्य गुणवत्ता की कसौटी पर खरा उतरता नजर नहीं आ रहा है। करीब 68 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली सड़क निर्माण परियोजना में निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। हालात यह हैं कि नगर के अंदर कार्यालयों और गलियों तक जाने वाले मार्गों पर बनाए गए सीमेंट कंक्रीट के स्लैब चार दिन बाद ही खराब होने लगे हैं। स्लैब की सतह से गिट्टी उखड़ने लगी है, जिससे निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री और निर्धारित तकनीकी मापदंडों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पवई बाईपास और चांदा घाटी री-अलाइनमेंट सहित 11.65 किलोमीटर लंबे मुख्य सड़क खंड तथा नगर के अंदर किए जा रहे सुधार कार्य (ओटीआई) की कुल अनुमानित लागत करीब 68 करोड़ रुपये है। इस परियोजना का निर्माण कार्य मेसर्स रवि शंकर जायसवाल कंपनी द्वारा कराया जा रहा है। इतनी बड़ी लागत की परियोजना में नगर के अंदर हो रहे निर्माण कार्य की शुरुआती हालत ही गुणवत्ता को लेकर चिंता पैदा कर रही है।



आबकारी विभाग की बड़ी कार्यवाही

गोसलपुर, यश भारत। आबकारी अपराधों का नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे स्पेशल ड्राइव के अंतर्गत* मदिरा के अवैध निर्माण, विक्रय , संग्रहण, परिवहन की सूचना पर जबलपुर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशन में, सहायक आबकारी आयुक्त जबलपुर संजीव कुमार दुबे के मार्गदर्शन में आबकारी कंट्रोल रूम रूम प्रभारी परमानंद कोरचे के नेतृत्व में वृत्त सिहोरा के गोसलपुर क्षेत्र के शांतिनगर गोसलपुर एवं केवलारी में अलग-अलग रिहायशी मकानों एवं स्थानों में दबिश की कार्यवाही की गई जिसमें 21 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं 390 किलो ग्राम महुआ लाहन हम जप्त कर मौके मैं सैंपल लेकर शेष लाहन को नष्ट किया गया, कुल 05 प्रकरण म. प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(क) एवं (च) के तहत प्रकरण पंजीबद किया गया । कार्यवाही के दौरान आबकारी मुख्य आरक्षक फूल सिंह एटिया,संतलाल मरावी आबकारी आरक्षक अशोक बघेल, अमिता केसरवानी रविशंकर कुशरे उपस्थित रहे



प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान में आगामी खेलकूद प्रतियोगिताओं को लेकर छात्र प्रतिनिधियों की बैठक संपन्न

गोसलपुर,यश भारत।प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान (IASE), जबलपुर में आगामी खेलकूद प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन को लेकर छात्र प्रतिनिधियों की एक औपचारिक बैठक इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित की गई। यह बैठक राष्ट्रीय धावक शेख मुनीर और एम.एड. छात्र प्रतिनिधि प्रदीप तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुई।

?बैठक के दौरान संस्थान में आयोजित होने वाली विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं की रूपरेखा, खेल मैदान की व्यवस्था और विद्यार्थियों की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया।



उपस्थित प्रतिनिधियों ने खेल मैदान की स्थिति सुधारने और प्रतियोगिताओं को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए अपने महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

?इस अवसर पर राष्ट्रीय धावक शेख मुनीर ने खेल भावना और नियमित अभ्यास के महत्व पर बल दिया, वहीं प्रदीप तिवारी ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलकूद की भूमिका को रेखांकित किया।?बैठक में राष्ट्रीय धावक शेख मुनीर, लीडर प्रदीप तिवारी, राकेश अग्रवाल, ब्रजमोहन पटेल,राजेश ताएबाडे, सौरभ सिंह,निधि दुबे सुनीता लखनपाल, निकिता चौधरी, रितु सेन, सुलेखा श्रीवास्तव,योगेन्द्र मिश्रा, विमल त्रिपाठी, रामरतन जँघेला, समसुन बी, नेहा मिश्रा सहित अन्य छात्र प्रतिनिधि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने आगामी खेल आयोजनों को भव्य और सफल बनाने का संकल्प लिया।

नकली धान बीज ने किसानों की मेहनत पर फेरा पानी

बड़वारा के रोहनिया हार में 13 एकड़ की फसल बर्बाद

कटनी, यशभारत। बड़वारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रोहनिया हार में किसानों पर कुदरत की मार नहीं, बल्कि नकली और घटिया बीज की मार पड़ी है। दर्जनों किसानों की धान की पूरी फसल बर्बाद हो जाने का गंभीर मामला सामने आया है। किसानों का आरोप है कि उन्होंने स्थानीय स्तर पर स्थित खाद-बीज भंडार' से '2355' किस्म का धान बीज खरीदा था। पिछले करीब तीन महीनों से दिन-रात खेतों में पसीना बहाकर फसल की सींच-संभाल करने वाले किसानों के अरमान उस वक्त ध धरे रह गए जब कटाई का समय आया। खेतों में लहलहाती फसल के पौधों में धान की बालियां ही नहीं आईं, जिससे किसानों की लगभग 13 एकड़ की पूरी फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई।इस भारी नुकसान से जूझने वाले अन्नदाताओं में प्रमुख रूप से कमला कचेर, राकेश कचेर, ओमप्रकाश कचेर,होरीलाल कचेर, संदीप कचेर, सोनेलाल कचेर, लखु कचेर शामिल है। किसानों का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी बर्बादी की दास्तां और बीज की खराब गुणवत्ता को लेकर 'अंकित बीज भंडार' के संचालक से बात की, तो दुकानदार ने बेहद गैर-जिम्मेदाराना और लापरवाह रवैया अपनाते हुए कहा– 'तुमको जहां शिकायत करना है, तुम कर लो, अब हम क्या करें।'



95 ट्रांसपोर्टरों को अंतिम नोटिस

15 जनवरी 2027 तक कारोबार शिफ्ट करने की चेतावनी, 43 साल पुरानी योजना को जमीन पर उतारने की कवायद

कटनी, यशभारत। शहर की सड़कों और व्यस्त बाजारों में भारी वाहनों की आवाजाही, सड़क किनारे होने वाली लोडिंग-अनलोडिंग और बार-बार लगने वाले जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर निगम ने सख्त रुख अपना लिया है। 43 साल पुरानी ट्रांसपोर्ट नगर योजना को धरातल पर उतारने के लिए निगम प्रशासन ने शहर के 95 ट्रांसपोर्ट कारोबारियों को अंतिम नोटिस जारी किया है। इन सभी कारोबारियों को 15 जनवरी 2027 तक हर हाल में पुरैनी स्थित 'कुशाभाऊ ठाकरे ट्रांसपोर्ट नगर' में अपना व्यवसाय शिफ्ट करने की चेतावनी दी गई है। नगर निगम के राजस्व अधिकारी द्वारा जारी नोटिस के बाद ट्रांसपोर्ट कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में संचालित ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को पुरैनी ट्रांसपोर्ट नगर में स्थानांतरित करने के लिए पूर्व में ही भूखंड आवंटित किए जा चुके हैं। इसके बावजूद कारोबारी शहर के भीतर ही व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। निगम ने दो टूक कहा है कि यदि 15 जनवरी 2027 की निर्धारित समयसीमा के बाद भी शहर में ट्रांसपोर्ट व्यवसाय संचालित होता पाया गया, तो संबंधित कारोबारियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। शहर में बढ़ते यातायात दबाव और भारी वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वर्ष 1983-84 में ट्रांसपोर्ट कारोबार को शहर से बाहर स्थापित करने की योजना बनाई गई थी।

पनागर में आठ दिवसीय श्री समोशरण विधान की तैयारी जारी



भगवान के प्रति सच्ची श्रद्धा रखने से सभी कार्य सफल होते हैं... मुनि श्री 108 निर्दोष सागर महाराज

पनागर, यश भारत। नगर में अष्टांका के पावन पर्व पर आठ दिवसीय श्री समोसारण विधान का आयोजन किया जा रहा है पनागर जैन समाज एवं श्री जैन प्रबंध कारिणीसभा के प्रतिनिधि मंडल ने भोपाल में विराजमान परम पूज्य आचार्य108 श्री विद्यासागर महाराज जी के पुनीत शिष्य पूज्य नवाचार आचार्य 108 समय सागर महाराज जी से मुलाकात कर पनागर में विधान की स्वीकृति हेतु निवेदन किया था जिसे गुरुवर ने स्वीकार किया एवं आशीर्वाद दिया।यह आयोजन पूज्य 108 निर्दोष सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में अष्टांगका पर्व पर प्रारंभ होने जा रहा है जिसकी तैयारियां समाज के द्वारा की जा रही है आज पूज्य मुनि श्री 108 निर्दोष सागर महाराज जी ने अपनी मांगलिक प्रवचन एवं प्रात 6:00 बजे सम्यक्त्व कौमुदी की क्लास उपस्थित भक्तजनों के समक्ष कहा कि किसी भी संसारी प्राणी का यश का नाश होना उसकी प्राणों के वध से भी बुरा व खतरनाक होता है। अगर विघ्न बाधा भूत ऐसी अनेक कठिनाई आने पर अगर जिनेंद्र भगवान की स्तुति सच्चे मन से की जाए। निराकरण को प्राप्त हो सकता है वह भी वह परेशानी दूर कर सकता है बसे उसे इतनी श्रद्धा अपनी भगवान पर होना चाहिए आजकल लोगों में श्रद्धा का अभाव है। हम भगवान से आशा सब कुछ रखते हैं। लेकिन श्रद्धा सच्ची नहीं होने कारण वह सफल नहीं होता है। आगे पूज्य मुनि श्री ने यह भी कहा कि, एक व्यक्ति के क्रोध से कभी ना झगड़ा होय, आपस में जब दो मिले, निश्चित झगड़ा होय। अगर एक व्यक्ति शांत हो जाए तो दूसरे का क्रोध जल्दी शांत हो जाता है। इस बात को प्रत्येक व्यक्ति को धारण करना चाहिए। एक क्षण का गुस्सा सारे भविष्य पुण्य और मेहनत को बर्बाद कर सकता है।

रंगोली के रंगों में सजी भारतीय संस्कृति और परंपराओं की झलक

कटनी,यशभारत। साईनाथ इंस्टीट्यूशन मुरवारा में 5 नवंबर को रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बीए-बीएड एवं बीएससी-बीएड के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मक सोच और कलात्मक प्रतिभा को रंगों के माध्यम से प्रदर्शित करते हुए भारतीय संस्कृति, परंपराओं और सामाजिक संदेशों को रंगोली के रूप में साकार किया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों और आकर्षक डिजाइनों पर आधारित रंगोलियां बनाईं। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। आयोजन में श्री हॉस्पिटल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स सोसाइटी द्वारा संचालित साईनाथ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन डॉ. दीपक सक्सेना, सेक्रेट्री डॉ. शोभना सक्सेना, डायरेक्टर आमोद सक्सेना, डायरेक्टर स्वाति सक्सेना, डायरेक्टर डॉ. शांभवी सक्सेना तथा महाविद्यालय के ज्वाइंट डायरेक्टर दीपक माथुर सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा और उत्साह की सराहना की।

पंप हाउस के पास 5 दिनों से फटी पाइपलाइन

हजारों लीटर पानी बर्बाद, राहगीर और रहवासी परेशान

कटनी, यशभारत। शहर के बरगवां रोड इलाकों में एलआईसी कार्यालय के पीछे स्थित योजना क्रमांक 3 के पंप हाउस के पास पाइपलाइन पिछले पांच दिनों से फटी हुई है। पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण रोजाना हजारों लीटर पीने का साफ पानी सड़कों पर व्यर्थ बह रहा है। लगातार जल रिसाव से आस पास कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन गई है, जिससे रहवासियों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि पाइपलाइन फटने की सूचना नगर निगम के संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दी जा चुकी है, लेकिन पांच दिन बीत जाने के बाद भी मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया है। एक ओर जहां शहर के कई हिस्सों में पेयजल संकट की स्थिति बनी रहती है, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अमले की उदासीनता के चलते कीमती पानी यूं ही



नालियों में बह रहा है।पंप हाउस के पास लगातार पानी बहने के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले राहगीरों के गिरने का खतरा बना हुआ है। इसके साथ ही पाइपलाइन लीकेज होने से आसपास के घरों में नलों का प्रेशर भी कम हो गया है।

नाला निर्माण जारी, सड़क की सुध लेने वाला कोई नहीं

लखेरा रोड पर उखड़ी सड़क और धूल से रहवासी बेहाल

नाला बनने के बाद सड़क कब बनेगी इसकी समय-सीमा तक तय नहीं

कटनी, यशभारत। विकास कार्य की कीमत यदि आम नागरिकों को रोजाना धूल, बदहाल रास्ते और परेशानी के रूप में चुकानी पड़े तो निर्माण व्यवस्था पर सवाल उठना स्वाभाविक है। लखेरा रोड पर नाला निर्माण के लिए सड़क खोद दी गई, लेकिन इसके बाद सड़क को दोबारा बनाने की योजना और समय-सीमा को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। नतीजा यह है कि स्थानीय रहवासी, दुकानदार और राहगीर निर्माण कार्य के बीच परेशानियां झेलने को मजबूर हैं।क्षेत्र में सड़क उखड़ी होने से



वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। वहीं दिनभर उड़ने वाली धूल घरों और दुकानों तक पहुंच रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धूल के कारण दुकानों में बैठना और घरों में सामान्य दिनचर्या चलाना मुश्किल हो रहा है। इसके बावजूद धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी के छिड़काव जैसी व्यवस्था नजर नहीं आ रही।सबसे अहम सवाल जिम्मेदारी को लेकर है। क्षेत्रवासियों के अनुसार, जब उन्होंने सड़क की बदहाली और निर्माण की समय-सीमा को लेकर पार्षद से जानकारी मांगी तो उन्हें नगर निगम जाकर बात करने की सलाह दे दी गई। ऐसे में नागरिकों के सामने सवाल है कि स्थानीय समस्याओं के समाधान और अधिकारियों तक आवाज पहुंचाने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

काम के साथ राहत की व्यवस्था भी जरूरी

नाला निर्माण जरूरी हो सकता है, लेकिन इसके लिए सड़क खोदने के बाद नागरिकों को अनिश्चितकाल तक परेशानी में छोड़ना उचित नहीं है। नगर निगम को निर्माण की समय-सीमा सार्वजनिक करने के साथ सड़क बहाली की तारीख बतानी चाहिए।

अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी मजबूत हुई : इरफान पठान





मुम्बई (यशभारत)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के आने से मुम्बई इंडियंस टीम और भी मजबूत हो गयी है। अर्शदीप ट्रेड डील में हार्दिक पांड्या के पंजाब में जाने से बदले में मुम्बई इंडियंस को मिले हैं। इस ट्रेड डील के बाद से क्रिकेट जगत में हलचल मची हुई है। इसी को लेकर पठान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का और भी प्रभावी तरीके से इस्तेमाल करने का अवसर मुम्बई को मिलेगा, साथ ही टीम के विदेशी खिलाड़ियों के स्लॉट पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा।

इरफान पठान का मानना है कि अर्शदीप के आने से मुंबई इंडियंस की गेंदबाजी में जबरदस्त गहराई आयी है। साथ ही कहा कि टीम के पास अब बुमराह के अलावा दीपक चाहर, ट्रेंट बोल्ट और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी गेंदबाज हो गये हैं। ये सभी गेंदबाज पावरप्ले में विरोधी बल्लेबाजों को दबाव में डालने की क्षमता भी रखते हैं। इसके अतिरिक्त टीम के पास बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार का विकल्प भी उपलब्ध है, जिन्होंने फ्रेंचाइजी के लिए अपने 10 मुकाबलों में 17 विकेट हासिल किए हैं, जिससे शुरुआती ओवरों में कप्तान के पास कई विकल्प होंगे। वहीं डेथ ओवरों की बात करें तो, मुंबई इंडियंस के लिए अर्शदीप और बुमराह मिलकर विरोधी बल्लेबाजी को धवस्त कर सकते हैं। ये दोनों ही गेंदबाज दबाव की परिस्थितियों में शानदार गेंदबाजी करने और महत्वपूर्ण समय पर विकेट निकालने के लिए जाने जाते हैं। ऐसे में मुंबई के पास पारी के दो अहम चरणोंङ्क पावरप्ले और डेथ ओवर में विकेट लेने वाले कई मजबूत विकल्प होंगे। यह कप्तान को गेंदबाजी में रणनीति बनाने की अधिक आजादी देने के साथ ही प्रयोगों में लचीलापन रखने की अनुमति देंगे। कुल मिलाकर, देखा जाये तो अर्शदीप के आने के बाद मुंबई टीम का गेंदबाजी संयोजन काफी मजबूत नजर आ रहा है, जो आईपीएल 2027 में विपक्षी टीमों के लिए एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने और अर्शदीप के मुंबई में आने से दोनों टीमों की किस्मत पर क्या असर पड़ता है।

आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ के सामने अलग पहचान बनाने की दोहरी चुनौती

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट के दो महान दिग्गजों, वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़, जिन्होंने अपने खेल से अनगिनत प्रशंसकों के दिलों में जगह बनाई, अब उनके बेटों - आर्यवीर सहवाग और अन्वय द्रविड़ ने भी क्रिकेट के मैदान पर कदम रखा है। इन युवा खिलाड़ियों के सामने अपने पिता की अविश्वसनीय विरासत को आगे बढ़ाने के साथ-साथ अपनी एक अलग पहचान स्थापित करने की दोहरी चुनौती है, जिसने क्रिकेट जगत में उत्सुकता पैदा कर दी है।

हाल ही में अंडर-19 एशिया कप में आर्यवीर सहवाग ने यूएई के खिलाफ एक शानदार शतकीय पारी खेलकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उन्होंने 168 गेंदों पर 160 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 7 छक्के शामिल थे, जो उनकी आक्रामक शैली और बड़े स्कोर बनाने की क्षमता को दर्शाता है। वे नियमित रूप से क्रिकेट अकादमी में अभ्यास करते हैं और उनके पिता वीरेंद्र सहवाग स्वयं भी उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वीरेंद्र सहवाग चाहते थे कि आर्यवीर क्रिकेट के बजाय फुटबॉल खेलें, लेकिन बेटे का रुझान आखिरकार क्रिकेट की ओर रहा। आर्यवीर का मानना है कि वे हर गेंद पर छक्का मारने की बजाय, पहले विकेट पर टिकने और फिर एक बड़ी पारी खेलने पर ध्यान





केंद्रित करते हैं। उन्हें अपने सरनेम सहवाग पर गर्व है और यह उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है।

वहीं, राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ भी अपनी क्रिकेट प्रतिभा को निखारने में लगे हैं। उन्होंने एशियन यूथ गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 67 गेंदों पर 87 रनों की प्रभावी पारी खेली थी। अन्वय कर्नाटक की अंडर-14 और अंडर-16 टीमों के लिए भी खेल चुके हैं और नियमित रूप से विकेटकीपिंग का अभ्यास करते हैं, जो उनके पिता राहुल द्रविड़ की तरह बहुमुखी प्रतिभा का संकेत है, जिन्होंने 2003 विश्व कप में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी संभाली थी। अन्वय को बल्लेबाजी की तकनीकी बारीकियां समझने में अपने पिता से मूल्यवान मार्गदर्शन मिलता है। हालांकि, यूएई और पाकिस्तान के खिलाफ हाल ही के मैचों में वे लंबी पारी नहीं खेल सके, लेकिन क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी युवा खिलाड़ी का भविष्य कुछेक मैचों के प्रदर्शन से नहीं आँका जा सकता।

भारतीय क्रिकेट को इन दोनों युवाओं से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन यह भी सत्य है कि केवल किसी महान खिलाड़ी का बेटा होना सफलता की गारंटी नहीं होता। इसके लिए निरंतर कड़ी मेहनत, अनुशासन, ठोस तकनीक, अच्छी फिटनेस और मानसिक मजबूती अनिवार्य है। एक तरफ आर्यवीर में सहवाग जैसी आक्रामक बल्लेबाजी की झलक देखने की उम्मीद की जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्वय में राहुल द्रविड़ की तरह तकनीकी रूप से मजबूत और धैर्यवान क्रिकेटर बनने की संभावनाएं दिखाई देती हैं। अभी इनके करियर की शुरुआत है, और इन्हें अनावश्यक दबाव के बिना आगे बढ़ने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी विशिष्ट प्रतिभा से भारतीय क्रिकेट में एक अलग और यादगार मुकाम हासिल कर सकें।

मुंबई इंडियंस, नये कप्तान का चयन सोच समझकर समय आने पर करेगी

मुम्बई (यशभारत)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 से ठीक पहले कप्तान हार्दिक पांड्या के पंजाब किंग्स में जाने से अब मुंबई इंडियंस को नये कप्तान की घोषणा करनी है। इसी को लेकर फ्रैंचाइजी प्रबंधन का कहना है कि सोच विचार के बाद ही सही समय पर नये कप्तान की घोषणा कर दी जाएगी। इस घोषणा के बाद से ही पांच बार टीम को खिताब जिताने वाले रोहित शर्मा की कप्तानी में वापसी की चर्चाऐं शुरु हो गयी हैं। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और युवा तिलक वर्मा भी कप्तान के दावेदार माने जा रहे हैं।



मुंबई इंडियंस ने कहा है कि आगामी सत्र को देखते हुए फ्रेंचाइजी अपने कप्तानी विकल्पों का आंकलन सोच-समझकर करेगी। टीम की कप्तानी को लेकर घोषणा समय आने पर ही की जाएगी। यह बयान दर्शाता है कि टीम मैनेजमेंट किसी भी जल्दबाजी में नहीं है और वे टीम के भविष्य के नेतृत्व के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प तलाश रहे हैं। फ्रेंचाइजी के लिए यह फैसला आगामी रिटेंशन डेडलाइन और मिनी ऑक्शन की रणनीति के लिहाज से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईपीएल 2027 के लिए खिलाड़ियों को रिटेन करने की अंतिम तारीख 17 नवंबर है, जबकि 16 दिसंबर को गोवा में मिनी ऑक्शन का आयोजन किया जाएगा। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को अपनी टीम का संयोजन और उसके नेतृत्व दोनों को इन महत्वपूर्ण तिथियों से पहले तय करना होगा। हार्दिक का मुंबई इंडियंस के साथ एक लंबा और सफल सफर समाप्त हो गया है। उन्होंने 2015 में मुंबई के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी और एक युवा खिलाड़ी से दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। उन्होंने मुंबई को चार आईपीएल खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रेड डील के तहत, हार्दिक पांड्या अब पंजाब किंग्स में चले गये हैं। अब सभी की निगाहें मुंबई इंडियंस की आधिकारिक घोषणा पर टिकी हैं कि आईपीएल 2027 में कौन सा खिलाड़ी पांच बार की चैंपियन टीम का नेतृत्व करेगा। यह एक ऐसा निर्णय है जो टीम के आगामी प्रदर्शन पर गहरा प्रभाव डालेगा।

अगले माह होंगे भारतीय ओलंपिक संघ चुनाव, 30 महासंघ करेंगे मतदान

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की कार्यकारी परिषद के बहुप्रतीक्षित चुनाव 5 दिसंबर को होने जा रहे हैं, जिसमें देश के 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के प्रतिनिधि नए नेतृत्व का चुनाव करेंगे। हालांकि, इस चुनावी प्रक्रिया में राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई), भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) जैसे कुछ महत्वपूर्ण खेल महासंघों को अपनी आंतरिक समस्याओं के कारण मतदान से बाहर कर दिया गया है। , जिससे आगामी चुनावों में कुछ बड़े खेलों की अनुपस्थिति स्पष्ट हो गई है।

कुल 71 मतदाता आईओए के अगले शीर्ष अधिकारियों का चुनाव करेंगे। इसमें मुक्केबाजी महासंघ को उसकी गहरी आंतरिक गुटबाजी के चलते बाहर रखा गया है, जो भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक चिंताजनक स्थिति पैदा करता है। इसी प्रकार, तदर्थ समिति द्वारा संचालित टीटीएफआई को भी मतदान का अधिकार नहीं मिला है। इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) के मामले में बाधा यह है कि इसके एक गुट को आईओए और दूसरे को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है, जिसके परिणामस्वरूप उसे भी निर्वाचक मंडल से बाहर रखा गया है। यह उन महासंघों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जिन्हें अपनी आंतरिक संरचनाओं को ठीक करने की आवश्यकता है ताकि वे भारतीय ओलंपिक परिवार का सक्रिय हिस्सा बने रह सकें।

निर्वाचक मंडल में शामिल 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों को पांच दिसंबर के चुनाव के लिए एक पुरुष और एक महिला प्रतिनिधि नामित करना होगा।

रंग संसार

गुजरात बोर्ड की टॉपर पायल ने की है कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड अभिनेत्री पायल रोहतगी अपने बेबाक अंदाज और निजी जिंदगी से जुड़े खुलासों के कारण अक्सर चर्चा में रहती हैं। पायल ने फिल्मों से लेकर रियलिटी शोज तक अपनी अलग पहचान बनाई है। बड़े पर्दे पर अभिनय करने के साथ-साथ उन्होंने छोटे पर्दे के कई लोकप्रिय कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया है। बिग बॉस से लेकर लॉकअप तक उनका सफर दर्शकों के बीच खासा चर्चित रहा है। पायल रोहतगी का जन्म 9 नवंबर 1980 को हैदराबाद में हुआ था। पढ़ाई में अच्छी रहने वाली पायल ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। वह गुजरात बोर्ड की टॉपर भी रह चुकी हैं। हालांकि, पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका रुझान अभिनय और मॉडलिंग की ओर बढ़ने लगा। साल 2000 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इसके बाद मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और कई विज्ञापनों में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों में भी अवसर मिलने लगे। पायल ने साल 2002 में फिल्म ये क्या हो रहा है से बॉलीवुड में शुरुआत की। इसके बाद वह तुमसे मिलकर, प्लान, पुलिस फोर्स-एन इनसाइड स्टोरी, रक्त, तौबा तौबा, लैला-ए-मिस्ट्री और चेतना-द एक्साइटमेंट जैसी फिल्मों में नजर आई। साल 2006 में रिलीज हुई फिल्म 36 चाइना टाउन में उन्होंने ग्रेसी का किरदार निभाया था। इसी साल वह फिल्म कॉरपोरेट में भी दिखाई दीं।

इसके अलावा ढोल, हे बेबी, अपना सपना मनी मनी, उगली और पगली, दिल कबड्डी और वैलेंटाइंस नाइट जैसी फिल्मों में भी उन्होंने काम किया। फिल्मों के साथ पायल ने टेलीविजन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। साल 2008 में वह बिग बॉस 2 में शामिल हुईं। शो में उनके बेबाक व्यवहार ने खूब सुर्खियां बटोरीं। इसके बाद उन्होंने राज पिछले जन्म का, जोर का झटका, सर्वाइवर इंडिया, नच बलिए 7 और बिग बॉस 7 जैसे कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया, जिनमें हमने ली है शपथ, हमसफर्स, एजेंट राघव और सूर्यपुत्र कर्ण शामिल हैं। साल 2022 में पायल कंगना रनौत के रियलिटी शो लॉकअप में नजर आईं। यहां उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़े कई निजी किस्से साझा किए और अपने खेल से दर्शकों का ध्यान खींचा। वह शो की पहली रनरअप रहीं। पायल की निजी जिंदगी भी चर्चा में रही है।

ओट्टनथुल्लल देखकर मेरी आंखों में आंसू आ गए: सोना महापात्रा

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में प्रसिद्ध गायिका सोना मोहपात्रा ने केरल में दीपावली का पावन पर्व मनाया। इस दौरान वे पारंपरिक कला रूप ओट्टनथुल्लल को देखकर मंत्रमुग्ध हो गईं। सोना मोहपात्रा ने इस अनूठी कला के बारे में विस्तार से बताते हुए अपने अनुभव साझा किए। सोना मोहपात्रा ने अपनी केरल यात्रा और इस शानदार प्रदर्शन को देखने की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। उन्होंने इसे संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने का एक अद्भुत संगम बताया। गायिका ने अपने अनुभव में लिखा, केरल में हमारी शानदार दीपावली की छुट्टियों की एक छोटी-सी झलक। परिवार, त्योहार, खाना, बैकवाटर और भी बहुत कुछ, लेकिन इस यात्रा का सबसे बड़ा हाईलाइट ओट्टनथुल्लल का यह असाधारण प्रदर्शन है। दो कलाकार, एक मृदंगम, संगीत, थिएटर, नृत्य, कविता, कॉमेडी और कहानी कहने की पूरी दुनिया। इसे देखकर मैं मंत्रमुग्ध हो गई और आखिर में मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शन में द्रौपदी द्वारा भीम को खुशबूदार कल्याण सौगंधिकम फूल की खोज में भेजने की कहानी को इतने प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया कि वे पूरी तरह से उसमें खो गईं। गायिका ने कलाकारों की अद्भुत प्रतिभा का वर्णन करते हुए बताया कि कैसे मुख्य कलाकार पलक झपकते ही एक किरदार से दूसरे किरदार में बदल रहे थे, केरल की लोक और शास्त्रीय संगीत परंपराओं से लिए गए बेहद मुश्किल गीतों को गा रहे थे, और अद्भुत शारीरिक ऊर्जा के साथ नृत्य कर रहे थे। उनके भाव, आवाज़, मूड और व्यक्तित्व को हैरान कर देने वाली आसानी से बदलने की क्षमता ने सबको चौंका दिया। एक गायिका के तौर पर, सोना इस सांस पर नियंत्रण और कलात्मक महारत को देखकर विश्वास नहीं कर पा रही थीं। उन्होंने मृदंगम वादक को वन-मैन ऑर्केस्ट्रा बताया, जो नाटकीय प्रभावों, लयबद्ध बातचीत, ठहराव और संगीत की शरारतों से भरा पूरा साउंडस्केप बना रहे थे, साथ ही कोरस की भूमिका भी निभा रहे थे। सोना ने बताया कि कैसे सिर्फ दो लोगों ने अपनी कला की महारत से पूरे दर्शकों को बांधे रखा। इस प्रदर्शन में कॉमेडी का भी एक अनूठा पहलू था ङ्क तेज, सहज और बेहद समझदारी भरी। कलाकार दर्शकों में से अनजान लोगों को चुनकर सबको कहानी में शामिल करते थे, और बिना किसी सस्ते अपमान के सबको हंसाते थे। सोना ने यह भी बताया कि यह कला सिर्फ मंदिर, ऑडिटोरियम या हेरिटेज फेस्टिवल तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक लिविंग रूम, शादी, कॉर्पोरेट कार्यक्रम, गांव के चौक या किसी अंतरराष्ट्रीय मंच को भी रोशन कर सकती है।





गुरमीत के लिए भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है मिर्जापुर

मुंबई (यशभारत)। निर्देशक गुरमीत सिंह के लिए वेब सीरीज मिर्जापुर केवल एक सफल प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि भावनाओं और लंबे जुड़ाव का सफर है। गुरमीत सिंह का मानना है कि किसी भी फिल्म या सीरीज को बनाते समय सबसे जरूरी काम लेखक की मूल भावना को समझना और उसे पूरी ईमानदारी के साथ पर्दे पर उतारना है।

गुरमीत सिंह के मुताबिक, स्क्रिप्ट पढ़ते समय जो रोमांच और उत्साह महसूस होता है, वही अनुभव दर्शकों तक पहुंचना चाहिए। गुरमीत सिंह ने मिर्जापुर फ्रेंचाइजी और इससे जुड़ी फिल्म के रचनात्मक पक्ष पर बात करते हुए बताया कि इसकी कहानी निर्देशक के सामने काम करने के लिए काफी सामग्री और चुनौतियां रखती है। ऐसे में उनका ध्यान दूसरी छोटी-छोटी बातों के बजाय कहानी की मूल भावना पर रहता है। उनके अनुसार, जब स्क्रिप्ट मजबूत होती है और उसमें दर्शकों को बांधे रखने की क्षमता होती है, तो निर्देशक का मुख्य काम उसे सही तरीके से पर्दे पर प्रस्तुत करना होता है। उन्होंने बताया कि किसी भी कहानी को फिल्माने से पहले यह समझना जरूरी है कि लेखक ने कागज पर क्या लिखा है और उस विचार को दर्शकों के सामने किस रूप में पेश किया जा सकता है। वह चाहते थे कि स्क्रिप्ट पढ़ते समय उन्हें और उनकी टीम को जो उत्साह महसूस हुआ, वही उत्साह दर्शकों को भी देखने को मिले। उनके लिए निर्देशन का असली उद्देश्य कहानी के जादू को बिना अनावश्यक बदलाव के जीवंत करना है। गुरमीत सिंह ने यह भी

रहमान की संगीत प्रतिभा की घई ने की जमकर तारीफ

मुंबई (यशभारत)। हाल ही में बॉलीवुड फिल्म निर्माता और निर्देशक सुभाष घई ने संगीतकार ए. आर. रहमान के भारतीय संगीत उद्योग में अतुलनीय योगदान किया और उन्हें संगीत का वरदान बताया है। सोशल मीडिया पर घई ने रहमान के साथ एक तस्वीर साझा की, जिसमें उन्होंने रहमान की असाधारण संगीत प्रतिभा और किसी भी संस्कृति या शैली के अनुसार खुद को ढाल लेने की क्षमता की खूब सराहना की।

रहमान को घई ने हमारे ब्रह्मांड से मिली एक वरदान जैसी प्रतिभा कहकर संबोधित किया। इस दौरान सुभाष घई ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म ताल के लिए रहमान से संपर्क करने का एक दिलचस्प किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने पहली बार 1999 की इस फिल्म के लिए रहमान को संगीत का प्रस्ताव दिया तो वे काफी घबराए हुए थे। तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए उन्हें यह आशंका थी कि रहमान शायद हिंदी फिल्मों के संगीत से उतना वाकिफ न हों या हिंदी गानों



के लिए वे कितने सहज होंगे। हालांकि, उनकी चिंता तब थोड़ी दूर हुई जब रहमान ने उन्हें बताया कि उन्होंने कभी उनकी ही फिल्म हीरो के लिए बांसुरी बजाई थी। इस जानकारी से घई को राहत मिली और उन्हें विश्वास हो गया कि रहमान भारतीय संगीत की बारीकियों से अच्छी तरह परिचित हैं। सुभाष घई ने इस बात पर जोर दिया कि ए. आर. रहमान ने लगान, रंग दे बसंती और रॉकस्टार जैसी फिल्मों के माध्यम से बॉलीवुड की संगीत संस्कृति को पूरी तरह से बदल दिया। उनकी अद्वितीय संगीत रचनाओं ने हिंदी सिनेमा को एक नई दिशा दी और श्रोताओं को एक बिल्कुल नया अनुभव प्रदान किया।

उन्होंने यह भी बताया कि रहमान ने अपने हिंदी गाने जय हो के लिए प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार भी जीता, जिससे भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर पहचान मिली। घई के अनुसार, ए. आर. रहमान में किसी भी देश और किसी भी संस्कृति की किसी भी आवाज़ को सीखकर उसे संगीत में बदल देने की अद्भुत क्षमता है। वे हर तरह की फिल्म और हर जगह के हर निर्देशक के साथ सफलतापूर्वक काम करते हैं।

युवा मोर्चा के स्वागत जुलूस में जगह-जगह गूंजे कानफोड़ू डीजे और सजे मंच

आस्था पर सख्ती, सियासत पर पूरी छूट!

नवरात्रि में डीजे पर सख्ती दिखाने वाला प्रशासन, रैली में बना 'गूंगी गुड़िया'



जबलपुर, यशभारत।

शहर में इन दिनों कानून और व्यवस्था के दोहरे मापदंड चर्चा का विषय बने हुए हैं। एक ओर जहां जिला प्रशासन आम नागरिकों और धार्मिक आयोजनों पर अपनी सख्ती का पूरा रौब दिखाता है, वहीं सत्ताधारी दल के राजनीतिक कार्यक्र मों में सारे नियम और कानून ताक पर रख दिए जाते हैं। ताजा मामला गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा निकाली गई 'युवा संकल्प रैली' का है, जो असल में भाजयुमो के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष रविंद्र तिवारी का स्वागत जुलूस था। इस राजनीतिक आयोजन ने प्रशासन के दोहरे चरित्र को बेनकाब कर दिया है।

नियमों की धज्जियां उड़ाता निकला जुलूस

गुरुवार को निकाली गई यह युवा संकल्प रैली पाँच घर से शुरू होकर विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए भाजपा के नंदन संभागीय कार्यालय पर समाप्त हुई। इस स्वागत जुलूस के दौरान नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई गईं। शहर के अलग-अलग हिस्सों में जगह-जगह बड़े-बड़े डीजे और साउंड बॉक्स सजाए गए, जो तेज आवाज में धड़ल्ले से बज रहे थे। हैरानी की बात यह है कि कुछ दिन पहले ही जिला कलेक्टर द्वारा जिले में प्रतिबंधात्मक आदेश लागू किए गए थे, जिसके तहत किसी भी सार्वजनिक आयोजन और मंच निर्माण के लिए अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है।

किसकी अनुमति से सजे मंच और लगे डीजे

जुलूस के दौरान मुख्य मार्गों पर भव्य स्वागत मंच भी खड़े कर दिए गए। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या ये बड़े-बड़े मंच और कान फोड़ू डीजे बिना किसी अनुमति के लगाए गए थे? यदि अनुमति ली गई थी, तो क्या प्रशासन ने राजनीतिक दबाव में आकर नियमों को ताक पर रख दिया? और यदि अनुमति नहीं थी, तो क्या जिला प्रशासन इन आयोजकों पर कार्रवाई करने की हिम्मत जुटा पाएगा? इन तमाम सवालों पर जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी अभी तक कोई भी स्पष्ट जवाब देने से बचते नजर आ रहे हैं।

त्योहार पर कानून का डंडा और नेतागिरी पर छूट

प्रशासन की इस कार्यप्रणाली पर जनता और प्रबुद्ध वर्ग का गुस्सा फूट पड़ा है। लोगों का सवाल है कि आखिर प्रशासन का यह दोहरा चरित्र क्यों है? कुछ समय पहले जब पूरा जबलपुर शहर नवरात्रि के उल्लास और आस्था में डूबा था, तब प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण के नियमों का हवाला देते हुए शहरभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई की थी। क्षमता से अधिक डीजे बजाने वालों पर तत्काल एफआईआर दर्ज की गई और साउंड सिस्टम जब्त कर लिए गए थे। लेकिन, जब वही नियम एक राजनीतिक दल के शक्ति प्रदर्शन और स्वागत जुलूस पर लागू करने की बारी आई, तो प्रशासन 'गूंगी गुड़िया' बनकर बैठ गया। नवरात्रि में जो डीजे और साउंड सिस्टम 'अवैध' मानकर जब्त कर लिए जाते हैं, वे ही साधन किसी नेता के स्वागत में 'वैध' कैसे हो जाते हैं।



सोशल मीडिया पर ट्रोल

एक तरफजहां जमीनी स्तर पर नियमों की धज्जियां उड़ीं, वहीं दूसरी तरफसोशल मीडिया (खास तौर पर Instagram) पर यह पूरा मामला शहर में चर्चा का मुख्य केंद्र बन गया है। युवा मोर्चा की रैली और उस पर बज रहे कान फोड़ू डीजे के वीडियो धड़ल्ले से वायरल हो रहे हैं। इंस्टाग्राम पर युवा और आम नागरिक इन वीडियोज़ को शेयर कर प्रशासन की जमकर खिल्ली उड़ा रहे हैं।

ब्रम्हभोज एवं त्रयोदशी



हमारी पूजनीय माता जी

श्रीमती लालमती देवी गुप्ता (जायसवाल)

जो की स्वगर्गीय श्री रामदेव गुप्ता (जायसवाल) जी
की धर्मपत्नी थीं। का स्वर्गवास दिनांक 1 नवंबर 2026 (रविवार) को हो गया है।

ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।
इसी भाव से त्रयोदशी एवं ब्राह्मण भोज का आयोजन रखा गया है।

दिनांक 14 नवंबर 2026 (शनिवार) समय - दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक
स्थान : गृहनिवास 1662/1, पंजाब बैंक कॉलोनी, चेरीताल, दमोहनाका के पास

शोकाकुल परिवार- पुत्र - दिनेश-उषा, विनोद-अंजू, प्रमोद-पूनम, राकेश-स्मिता
पुत्री - विनीता-अरविंद, रीता-सुभाष, भाई- राजकुमार (पप्पू मामा), शिवकुमार (लल्लू मामा)
पौत्र - दीपक- संगीता, अनमोल (छोटू), प्रियांश (कृष्णा),
प्रियांशी, अंशिका, अवनी, नाती- देवांश, विनायक, शांभवी एवं समस्त शोकाकुल परिवार

सम्बद्ध प्रतिष्ठान
यशभारत परिवार

• बॉम्बे बैटरी • बैटरी हाउस • श्री कृष्णा बैटरीज
• ए.पी.मेटल इंडस्ट्रीज • ईगल बैटरी
संपर्क - 9425325892, 9200792000

